

सांसद सुरेंद्र यादव की पहल से जहानाबाद पटना – गया रेल सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण से जहानाबाद के विकास को एक नया आयाम मिलेगा : एजाज अहमद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । रेल मंत्रालय की ओर से जहानाबाद सहित पटना- गया रेल सुविधाओं के विस्तार और आधुनिककीकरण के लिए सांसद डॉ सुरेंद्र प्रसाद यादव की पहल पर 184.2 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं को मंजूरी मिलने पर प्रदेश राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने इस सार्थक पहल की तारीफ करते हुए कहा कि इससे जहानाबाद की जनता में काफी खुशी देखी जा रही है ।

एजाज ने आगे कहा कि जहानाबाद सहित पटना-गया रेलखंड के लाखों रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी रेलवे के माध्यम से दिलाने में जहानाबाद के सांसद डॉ. सुरेंद्र प्रसाद यादव के सतत प्रयास और उनके द्वारा इस संसंध में उठाई गई मांगों के परिणामस्वरूप पूर्व मध्य रेल, द्नापूर मंडल संसदीय समिति की बैठक में क्षेत्र के विकास एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई है। स्वीकृत परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत लगभग 184.2 करोड़ रुपये बताई गई है। रेलवे के

संक्षिप्त खबरें

पुण्यतिथि पर याद किए गए प्रख्यात साहित्यकार केशव प्रसाद वर्मा

बिक्रम। मागधी ग्रंथ अकादमी, मोरियावां के संस्थापक एवं हिंदी, मगही तथा अंग्रेजी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार केशव प्रसाद प्रवक्ता की पांचवीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को अकादमी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उनके तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। वहीं वक्ताओं ने कहा कि वर्मा जी ने साहित्य की लगभग सभी विधाओं में उल्लेखनीय लेखन करते हुए हिंदी एवं मगही साहित्य को समृद्ध किया। युवा साहित्यकार सार्थक केशव ने कहा कि उनकी अनेक रचनाएं विश्वविद्यालयों तथा विचारक मंडल में शामिल हैं। मगही भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के लिए उनका संघर्ष और योगदान स्मरणीय रहेगा।

किसानों व मजदूरों के कल्याण के लिए आखिरी समय तक समर्पित थे स्वामी जी : पूर्व सांसद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय स्वामी सहजानंद सरस्वती विचार मंच की ओर से जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान के सभापति में दंडी स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के संयोजक संजीत कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता पूर्व सांसद अरुण कुमार ने कहा कि स्वामी जी किसानों और मजदूरों के उत्थान के लिए अंतिम दम तक संघर्ष करते रहे। समाज में जमींदारी उन्मूलन उनके द्वारा किए गए आंदोलन का ही परिणाम है। उन्होंने स्वामी जी के सुनामों का देश बनाने का आह्वान किसानों, मजदूरों व खासकर नौजवानों से किया। उन्होंने किसानों को उनकी समस्याओं को निजात दिलाने के लिए स्वामी जी को

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने किया पौधारोपण

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने सुबे से सघन पौधारोपण अभियान 5 जुलाई तक चला रहे है । विविध युवक केंद्र दिल्ली एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता माह के अंतर्गत सेमिनार, रैली, पोस्टर निर्माण एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर रहे है ।प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए प्लास्टिक के कचरा को जमा किया जा रहा है । फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर देवानंद ने बताया कि राजधानी के युवा आवास में पौधारोपण किया गया जिसमें आम, अमरुद्ध, जामुन, निम , वेल , कटहल के पेड़ लगाया गया है । उन्होंने कहा कि पर्यावरण से छेड़छाड़ मानव सभ्यता के लिए खतरे की घंटी है । जहाँ बागों से गुलजार गुलजारबाग हुआ करता था वहाँ हम एशिया के सबसे बड़ा कॉलोनी कंकड़बाग बना दिया ।विकाश के अंधी दौड़ में जिस रफ्तार से पेड़ों की कटाई हो रही है यह चिंता का विषय है । पटना में मेट्रो निर्माण के लिए सी साल पुराना पेड़ों को काट दिया गया जबकि उस पेड़ों को ट्रांसप्लांट किया जा सकता था । वन क्षेत्रों में कमी का सीधा असर जलवायु परिवर्तन के रूप में सामने है । अतिपरा, सुखाड़, सुनामी के रूप में सामने है । स्वयंसेवक ऋषिकेश मश्ट ने कहा कि हम सभी लोगो को अधिक से अधिक पेड़ लगाने की संकल्प लेना होगा । नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ भूँ में के नाम कार्यक्रम चलाया है उसे हम सभी स्वयंसेवक मिलकर घर घर पहुंचावेंगे ।

इन सभी परियोजनाओं की स्वीकृति से जहानाबाद की जनता काफी खुश है और अपने सांसद के इस पहल पर कहा कि इससे जहानाबा की तरक्की और विकास को मजबूती मिलेगी । ज्ञात हो कि 23 जून को आयोजित संसदीय समिति की बैठक में सांसद डॉ. सुरेंद्र प्रसाद यादव ने जहानाबाद और आसपास के क्षेत्रों के रेल यात्रियों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को प्रमुखता से उठाया। उनके द्वारा प्रस्तुत कई प्रस्तावों पर रेल प्रशासन ने सकारात्मक निर्णय लेते हुए स्वीकृति प्रदान की है।

बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार जहानाबाद जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवरब्रिज बनाया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 5.86 करोड़ रुपये होगी। इससे यात्रियों को प्लेटफॉर्म बदलने में काफी सहूलियत मिलेगी और भीड़भाड़ की समस्या भी निजात मिलेगी।

इसके अलावा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जहानाबाद रेलवे स्टेशन का 11.03 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक आधुनिकीकरण एवं अपग्रेडेशन किया जाएगा।

घोसवरी में हत्या के पीड़ित परिवार से मिले लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष रंजीत यादव



प्रातः किरण संवाददाता

बख्तियारपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पटना पूर्वी जिलाध्यक्ष रंजीत यादव ने बख्तियारपुर प्रखंड के घोसवरी गांव पहुंचकर ईंट-भट्टे में कार्यरत रंजन पासवान की हत्या के बाद उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढाढस बंधाते हुए संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर मामले की निष्पक्ष जांच, देषियों के

चैम्बर का प्रतिनिधिमंडल केन्द्रीय संचार मंत्री से मिला शताब्दी के अवसर पर डाक टिकट जारी करने तथा शताब्दी समारोह में पधारने का किया आग्रह

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।पूर्वाह्न में बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष पी० के० अग्रवाल एवं कार्यकारणी सदस्य सुमित कुमार माननीय केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य ए० सिंधिया से नई दिल्ली स्थित संचार भवन में उनके कार्यालय कक्ष में मिले एवं चैम्बर के शताब्दी के अवसर पर डाक टिकट जारी करने का आग्रह किया क

चैम्बर अध्यक्ष पी० के० अग्रवाल ने बताया कि माननीय मंत्री ने बिहार के व्यापार एवं उद्योग के सम्बन्ध में विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए संचार मंत्रालय द्वारा देश के व्यापार को सहज बनाने के लिए किये जा रहा प्रयासों कि जानकारी दी कबात-चीत के क्रम में माननीय मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कि स्थापना 1902 में उनके परिजन द्वारा ही किया गया था इसलिए वे चैम्बर के महत्व को जानते है और किसी भी प्रदेश के आर्थिक विकास में चैम्बर ऑफ कॉमर्स का



महत्वपूर्ण योगदान होता है कचर्चा के क्रम में बिहार के मधुबनी पेंटिंग कि बात आने पर उन्होंने बताया कि जिस तरह से बिहार का मधुबनी पेंटिंग देश-विदेश में अपनी पहचान बनाये हुए है उसी तरह से मध्य प्रदेश के चंदेरी भी देश-विदेश में अपनी पहचान बनाये हुए है ।

अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

राज्यपाल ने किया देशभक्ति आधारित नाट्य ऑपरेशन सिंदूर का शुभारंभ

ऑपरेशन सिंदूर की नाट्य प्रस्तुति ने सैनिकों के शौर्य को किया याद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : राजधानी पटना के बापू सभागार में स्वास्थ्य और राष्ट्र समर्पित सामाजिक संस्था गुलमोहर मैत्री द्वारा आयोजित देशभक्ति आधारित विशेष नाट्य प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूरह्ण का भव्य आयोजन किया गया। यह नाट्य प्रस्तुति का कार्यक्रम भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, उनके परिवारों के त्याग तथा आतंकवादी हमलों में दिवंगत निर्दोष नागरिकों की स्मृति को समर्पित था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार के महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन के आगमन के साथ हुआ। सभागार पहुंचने के बाद उन्होंने हॉल

ऑफ फेम का अवलोकन किया तथा मंच पर पहुंचे। इसके पश्चात बिहार रेजिमेंटल सेंटर (बीआरसी) द्वारा राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुति दी गयी।

राज्यपाल महोदय द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन हुआ।दीप प्रज्वलन के अवसर पर ब्रिगेडियर अमित बेदी, डिप्टी जीओसी, बिहार एवं झारखंड सब एरिया मेजर जनरल एम. इंद्रबालन (सेवानिवृत्त), पूर्व चीफ ऑफ दक्षिण भारत एरिया, ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोहरा, कमांडेंट, बिहार रेजिमेंटल सेंटर (बीआरसी) , बैंक ऑफ बड़ौदा, एनटीपीसी आईएसएम , रूबन हॉस्पिटल, मेडिवर्सल हॉस्पिटल के प्रतिनिधि एवं संस्था की सचिव मंजू सिन्हा मंच पर उपस्थित रहे।नाट्य प्रस्तुति के पूर्व मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल ने कहा इस तरह के कार्यक्रम को प्रोत्साहित कि जानी चाहिए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक सैन्य अभियान ही नहीं था यह नारी शक्ति के सम्मान में

भारत के वीर सपूतों का संकल्प और साहस के साथ प्रतिशोध था । यह दुश्मनों को साफ संदेश था कि भारत की अस्मिता पर हर हमले का नापाक जवाब देने हमें आता है ।आम प्रज्वलन नागरिक की जान हमारे देश के महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जो नैरेटिव फैलाया गया वह दुःखद था।उन्होंने लोगों को भारत के सभी सैन्य अभियान पर नाट्य प्रस्तुति करने की जरूरत बताया ताकि समाज के हर वर्ग और हर नागरिक तक विजय गाथा पहुंचे ताकि देशभक्ति जन्मा बना रहे।कार्यक्रम के दौरान गुलमोहर मैत्री की यात्रा पर आधारित विशेष वीडियो प्रदर्शित किया गया। इसके पश्चात राज्यपाल द्वारा मेजर जनरल एम. इंद्रबालन (सेवानिवृत्त) , रियर एडमिरल सतीश शेनाई तथा नाट्य प्रस्तुति के निर्देशक संजय उपाध्याय को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर गुलमोहर मैत्री की संस्थापक एवं सचिव मंजू सिन्हा द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट सैन्य अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

स्वामी सहजानन्द सरस्वती की 76 वीं पुण्यतिथि पर सीताराम आश्रम ट्रस्ट व पटना जिला किसान सभा के तत्वाधान में समारोह सीताराम आश्रम में आजादी के आंदोलन में किसान सभा के योगदान विषय पर गोष्ठी आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

बिहटा । क्रांतिकारी किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की 76 वीं पुण्यतिथि पर बिहटा के राघवपुर स्थित श्री सीताराम आश्रम परिसर में शुक्रवार को पटना जिला किसान सभा व सीताराम आश्रम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में आजादी के आंदोलन में किसान सभा की भूमिका विषय पर गोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम के शुरुआत में अभिषेक कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। वहीं विषय प्रवेश करते हुए श्री सीताराम आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष व स्वामी सहजानंद सरस्वती के अश्वेता कैलाश चंद्र झा ने बताया कि स्वामी सहजानंद सरस्वती ने 1927 में पटना पश्चिमी किसान सभा की स्थापना की, 1929 में बिहार राज्य किसान सभा तथा 1936 में ऑल इंडिया किसान सभा की स्थापना की। यह अब स्वतंत्रता आंदोलन के बीच की कहानी है। इस



किसान सभा को जवाहर लाल नेहरू का समर्थन था। नमक आंदोलन, असहयोग आंदोलन सब में शरीक रहे । जन संस्कृति मंच में राज्य अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय आंदोलन की चर्चा करते हुए हुए कहा कि प्रथम विश्व युद्ध में अंटीमन एम्पायर का अंत हो गया। इस्लाम का खलीफा का अंत कर दिया। महात्मा गांधी ने अच्छी डिप्लोमेसी करते हुए मुसलमानों का समर्थन हासिल करने खलीफा का स्पोट किया। स्वामी

सहजानंद असहयोग आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी से जुड़ जाते हैं। पटना पश्चिमी किसान सभा के माध्यम से किसानों के मुक्ति की लड़ाई शुरू की साम्राज्यवाद, जमींदार, हुआदूत, वर्णवाद इन सबसे लड़ाई लड़ने की ठानी। जिस जाति को ब्राह्मणों से प्रतिष्ठा दिलाने के लिए बनारस से बिहटा तक के लड़ाई लड़ी। वे पौरोहित्य की खिलाफ लड़ने को प्रेरित कर रहे थे। स्वामी जी ने हमेरा जीवन संघर्षरहित किताब में बताया कि

एक्शन टेसा ने टेसा सलाम के साथ मनाया कारपेंटर्स मेगा मीट यह आयोजन कारपेंटर्स के अमूल्य योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित है:बीएम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। एक्शन-टेसा, जो भारत में एमडीएए/ एचडीएचएमआर/बॉल्लो और पार्टिकल बोर्ड जैसे इंजीनियर्ड पैनल उत्पादों का सबसे बड़ा निमाता और लकड़ी पैनल उद्योग में अग्रणी है, ने देशव्यापी उत्कर्षों की एक श्रृंखला के साथ गर्व से मेगा कारपेंटर्स मीट का आयोजन पटना शहर के होटल गोएडेन पाम विजय नगर में किया गया मीटिंग में आनन्द प्रभात बीएम, आदित्य रंजन सिनियर बीडीएम , अविनाश कुमार , मनीष पांडे तथा समस्त बिहार और झारखंड टीम ने सभी कारपेंटर्स भाईयों का स्वागत करती है। तथा हमारे बोर्ड मे टेसा इनसाईट है।

एक्शन टेसा ने इस कार्यक्रम मे उपस्थित कारपेंटर्स की कारीगरी को मान्यता देने के साथ-साथ उन्हें



में सुंदरता और कार्यक्षमता लाती है। इस मेगामीट कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से, आदित्य रंजन ने कहा कि हमारी कंपनी टेक्निकल यूरिया का इस्तेमाल करती है। तथा हमारे बोर्ड मे टेसा इनसाईट है।

एक्शन टेसा ने इस कार्यक्रम मे उपस्थित कारपेंटर्स की कारीगरी को मान्यता देने के साथ-साथ उन्हें

उभरती तकनीकों और नवाचारी डिजाइन तकनीकों के बारे में जानने का एक मंच प्रदान किया। यह पहल एक्शन टेसा के ब्रांड दर्शन कोई नहीं ऐसा के अनुरूप है, जो अतुलनीय गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर जोर देता है। पिछले एक दशक से, कंपनी इन मीट्स के माध्यम से कारपेंटर्स के साथ निकटता से काम कर रही

है, उन्हें मूल्यवान जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जिससे ब्रांड और लकड़ी के कामकाज उद्योग के साथ उनका संबंध और भी मजबूत हो रहा है।

एक्शन टेसा के प्रबंध निदेशक, अजय अग्रवाल ने इस अवसर पर विडियो मैसेज के द्वारा कारपेंटर्स के प्रति अनुर गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, कि कारपेंटर्स इंजीनियर्ड लकड़ी उद्योग की रीढ़ हैं, और उनकी कुशलता और रचनात्मकता के प्रति आभार प्रकट किया।

टेसा-सलाम का अर्थ सम्मान की अभिव्यक्ति है, टेसा सलामह्ण पहल का उद्देश्य कारपेंटर्स की स्थिति को ऊंचा उठाना और उनके कठिन परिश्रम और कारीगरी को पहचान दिलाना है, जिससे उद्योग में उनकी भूमिका और अधिक स्पष्ट और मूल्यवान हो सके।

अधिकार व मान सम्मान के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेगा वैश्य समाज राष्ट्रीय वैश्य महासभा में आधा दर्जन से अधिक वैश्य संगठनों का विलय

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय वैश्य महासभा के बैनर तले राजधानी के स्काडा बिजनेस सेंटर में गुरुवार को वैश्य समाज को एक सूत्र में बांधने के उद्देश्य से संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर वैश्य समाज के जितने भी संगठन हैं, के नेता शामिल हुए। संवाददाता सम्मेलन को राष्ट्रीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर कुमार महासेठ, प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता, कमल नोपानी, पी.के. चैधरी, इंजीनियर सुरेंद्र साहू, रमेश गांधी एवं अन्य विभिन्न संगठनों के वैश्य नेता ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। इस दौरान वैश्य समाज समन्वय समिति, बिहार का गठन करने का ऐलान किया गया।

वक्ताओं ने संवाददाता सम्मेलन में संबोधित करते हुए कहा कि वैश्य समाज को एक सूत्र में बांधने के उद्देश्य से आज पटना में ह्यराष्ट्रीय वैश्य महासभा के बैनर तले ह्रद्वैश्य समाज समन्वय समिति, बिहार का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि 56 उपजाति की सभी दीवारों गिराकर



समाज की एकमात्र पहचान ह्रहम सभी वैश्य हैं होगी। वहीं राष्ट्रीय वैश्य महासभा ने 1 वर्षीय कार्ययोजना 2026-27 की घोषणा की, जिसके तहत संगठन का विस्तार हर्टॉप टू बॉटम सिद्धांत पर बॉटम अप आधार पर किया जाएगा।।संगठन के संचालन के लिए 15 सदस्यीय संचालन समिति नीति और रणनीति तय करेगी, जिसके मार्गदर्शन में 51 सदस्यीय राज्य समन्वय समिति बिहार के सभी वर्गों और उपजातियों का प्रतिनिधित्व करेगी। समिति में 20 प्रतिशत युवा 35 वर्ष से कम आयु के तथा 20

प्रतिशत महिला भागीदारी अनिवार्य होगी। पदाधिकारियों का चयन ह्रसैवा के अवसर के रूप में होगा, ह्रसैवा की कुसरी के रूप में नहीं।

उक्त नेताओं ने कहा कि संगठन विस्तार के लिए बिहार के 9 प्रमंडलों में 9 प्रमंडल प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे, जो अपने-अपने प्रमंडल के जिलों का निरीक्षण कर प्रत्येक तिमाही पर प्रगति रिपोर्ट राष्ट्रीय वैश्य महासभा की संचालन समिति को सौंपेंगे। राज्य के 38 जिलों में 38 जिला प्रभारी एवं सहायक जिला प्रभारी नियुक्त होंगे, जो मिलकर अपने जिले में 21

सदस्यीय जिला टीम का गठन करेंगे। जिला स्तर पर प्रत्येक माह सम्मेलन, महामुरुषों की जयंती एवं सांस्कृतिक आयोजन कर संगठन को सक्रिय रखा जाएगा। साथ ही, प्रखंड स्तर पर 534 ह्रवैश्य मित्र मंडल का गठन होगा, जो पंचायत स्तर पर संगठन विस्तार का कार्य करेंगे।। राज्य की 8058 पंचायतों में 5 सदस्यीय टीम का गठन किया जाएगा, जिसमें अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, युवा प्रभारी एवं महिला प्रभारी सम्मिलित होंगे। संगठन का लक्ष्य बूथ स्तर तक पहुंचना है। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर 1 ह्रवैश्य संपर्क



फतुहा। शुक्रवार को मुहर्रम के अवसर पर शहर के रायपुरा, पठानटोली सहित विभिन्न इलाकों में मुख्य पार्षद प्रतिनिधि टुनटुन यादव ने ताजिया का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा अखाड़ा में शामिल होकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को मुहर्रम की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान अखाड़ा समिति ने अतिथियों का माला पहनाकर और अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि बबन यादव ने कहा कि हिन्दू और मुस्लिम समुदाय एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में संदेव सहभागिता निभाते आए हैं, जो हमारी गंगा-जमुनी संस्कृति और आपसी भाईचारे की मिसाल है। ताजिया जुलूस के दौरान युवकों ने पारंपरिक कतब भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर पार्षद संजीव कुमार, मो. मिर्दू, छोटू यादव, मो. लाल खान, मो. शरीफ सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पीड़ित परिवार से मिलने सहकारिता मंत्री सह विधायक रामकृपाल यादव दियारा पहुंचे

दानापुर नगर के अंतर्गत शुक्रवार को दियारा के हेतनपुर में पिछले दिनों गंगा में डूबने की घटना से पीड़ित परिवार से मिलने सहकारिता मंत्री सह विधायक रामकृपाल यादव ने दियारा पहुंचे। शुक्रवार को श्री यादव दियारा के हेतनपुर गांव पहुंचे एवं तीनों मृतक पोषुष, तेज कुमार एवं प्रिंस कुमार के परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली। पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से आपदा की सहायता राशि चार-चार लाख का चेक प्रदान किया। घटना पर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए सहकारिता मंत्री श्री यादव ने कहा कि यह हृदय विदारक घटना है। परिवार वालों के लिए यह एक अपूर्णीय क्षति है। दियारा के तीन गरीब परिवार के बच्चे स्नान के दौरान गंगा में डूब गए।यह घटना दुःखद है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी। इस दौरान अंचलाधिकारी चंदन कुमार जिला परिषद प्रतिनिधि रंजीत कुमार पूर्व मुखिया कन्हैया राय भाजपा नेता भाई सनोज यादव समेत ग्रामीण उपस्थित थे। सनद हो कि विगत रविवार 21 जून को शाहपुर थाना क्षेत्र के दियारा अंतर्गत हेतनपुर घाट पर स्नान करते के दौरान पीषुष कुमार तेज कुमार एवं प्रिंस कुमार की गंगा में डूबने से मौत हो गई थी।

नहीं रहे पूर्व मुखिया सह समाजसेवी रमेश चंद्र राय, 98 वर्ष की आयु में हुआ निधन, शोक

बिहटा। स्थानीय सिकंदरपुर निवासी समाजसेवी सह पूर्व मुखिया रमेश चंद्र राय का सदृश देते रहे' उनके निधन पर बिहटा पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ उदय कुमार सिंह, उनके समाजसेवी पुत्र प्रदीप कुमार, अशोक कुमार, दिनेश कुमार, दिलीप कुमार, बरिन्द्र प्रताप सिंह, उपेन्द्र प्रताप सिंह व सुरेश चंद्र राय, बिहटा के उप प्रमुख वरुण कुमार, सिकंदरपुर पंचायत के मुखिया आगरानन्द पासवान समेत कई अन्यो ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त किया है



नीतीश कुमार के विकास मॉडल को देश के अनेक राज्यों ने अपनाया : बिजेन्द्र

■ जनसुनवाई कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने सुनी आमजनो की समस्याएं

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन का एक ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसे देश के अनेक राज्यों ने अपनाया है। एनडीए सरकार न्याय के



साथ विकास की अपनी प्रतिबद्धता पर निरंतर कार्य कर रही है। उपमुख्यमंत्री

उक्त बातें जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम

सिवान की धरती ने विभिन्न क्षेत्रों की अनेक प्रतिभाओं को जन्म दिया : मंत्री

■ सिवान जिले के गोरियाकोठी में मंत्री श्रवण कुमार ने किया पुस्तक का विमोचन

■ विभूतियों के आंदोलन को एक पुस्तक में समाहित करना अत्यंत प्रशंसनीय एवं प्रेरणादायक कार्य है

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने कहा है कि सिवान की धरती ने शिक्षा, समाजसेवा, राजनीति, स्वतंत्रता आंदोलन, खेल समेत विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाओं को जन्म दिया है। इन विभूतियों के आंदोलन को एक पुस्तक में समाहित करना अत्यंत प्रशंसनीय एवं प्रेरणादायक कार्य है। मंत्री शुक्रवार को सिवान जिला के गोरियाकोठी प्रखंड में आयोजित

एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने एक वरिष्ठ पत्रकार धनंजय कुमार सिंह की लिखी पुस्तक सिवान माटी की विभूतियां का विमोचन किया। धनंजय कुमार सिंह गोरियाकोठी प्रखंड के दुधड़ा गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में नई दिल्ली स्थित नेशन न्यूज चैनल के वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पुस्तक के लेखक धनंजय कुमार सिंह ने कहा कि इस पुस्तक के लेखन का उद्देश्य सिवान जिले की

महान हस्तियों को सम्मान देना है। इस मौके पर महाराजगंज विधायक हेमनारायण शाह, डॉ प्रभुनाथ शर्मा, अधिवक्ता संजय कुमार सिंह, डॉ मनु राय, दिलीप कुमार शर्मा, डॉ स्तौती चंद्र सिंह, डॉ सीबी तिवारी, प्रो विजय शर्मा, पैक्स अध्यक्ष राघव प्रसाद राय, पिटु सिंह, राम नरेश शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, संतोष कुमार राय, अनुज तिवारी, श्री रविंद्र कुमार सिंह, अधिवक्ता प्रिया रंजन सिंह, राजू कुमार सिंह, रतनलाल चौधरी, अवध प्रसाद समेत अन्य लोग मौजूद थे।

कौशल विकास योजना के तहत 9 वर्षों में 45 हजार से अधिक महिलाओं को मिला प्रशिक्षण

■ झोन टेक्नोलॉजी, किसान झोन ऑपरेटर, मल्टी रोटार झोन ऑपरेटर, लेखा सहायक, सौंदर्य चिकित्सक, शेफ, इलेक्ट्रीशियन, स्प्रा थेरेपिस्ट, आर्टो रिक्षा चालक, झोन ऑपरेटर, डिजिटल मित्र, हेयरड्रेसर, गृह स्वास्थ्य सहायोगी, मोबाइल रिपेयर, सिलाई मशीन ऑपरेटर, सोलर पीवी इंस्टॉलर समेत कई अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में महिलाओं की बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए निगम ने उन्नत और तकनीकी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शामिल किया है। इनमें झोन टेक्नोलॉजी, किसान झोन ऑपरेटर, मल्टी रोटार झोन ऑपरेटर, पेट्रोल/बेकरी असिस्टेंट तथा

पेस्टिसाइड एवं फर्टिलाइजर एप्लिकेटर जैसे आधुनिक कोर्स शामिल हैं। हाल ही में 16 और 17 मार्च 2026 को निगम की ओर से पहली बार महिला मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में 6 हजार से अधिक महिलाओं को राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार मिला। मेले में 50 से ज्यादा कंपनियां शामिल हुईं, जिसने महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले।- इच्छुक महिलाएं ऑनलाइन या फोन नंबर के माध्यम से इन योजनाओं का फोन नंबर अथवा जानकारी ले सकती हैं। ऑनलाइन पोर्टल: महिला एवं बाल विकास निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। यहां स्क्रीन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आवेदन संबंधी जानकारी उपलब्ध है।

मोहर्रम त्याग, सब्र और इंसानियत का पैगाम देता है : राजद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद , पूर्व मुख्यमंत्री र बाबड़ी देवी, राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ,सांसद डॉ मौसा भारती, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदानंद सिंह, उदय नारायण चौधरी,राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ कांति सिंह, जयप्रकाश नारायण यादव, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, सैयद फैसल अली, बिनु यादव,राष्ट्रीय मुख्य मेहता प्रो मनोज कुमार झा, सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव, सुधाकर सिंह, संजय यादव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार सिंह, राष्ट्रीय सचिव कार्तिकेय सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह,डॉ तनवीर हसन, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता ,शिवचन्द्र राम, इसराइल मंसूरी, सुरेश पासवान, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता श्री शक्ति



सिंह यादव, विधान पार्षद कारी मो सोहेब ,रिंकू यादव,प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद,डॉ उर्मिला ठाकुर सहित राजद परिवार के नेताओं ने कहा कि मोहर्रम त्याग, सब्र और इंसानियत का पैगाम देता है। कर्बला की याद दिल में जिंदा रहे और इंसानियत का पैगाम हर दिल तक पहुंचे। हजरत इमाम हुसैन (अ स) और उनके साथियों की शहादत हक और सच के लिए जुल्य के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा देता है। नेताओं ने एक दूसरे के साथ मिलकर मोहर्रम का पर्व मनाने की अपील की।

पटना म्यूजियम के सभागार में आयोजित उत्सव सह सम्मान समारोह में शिक्षाविदों का होगा जुटान

पटना में 27 जून को होगा विश्व संगीत दिवस उत्सव सह सम्मान समारोह 2026 का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर राजधानी पटना के बुद्ध मार्ग स्थित पटना म्यूजियम के सभागार में 27 जून 2026 को विश्व संगीत दिवस उत्सव सह सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव का आयोजन परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट एजुकेटर्स ऑफ बिहार द्वारा बिहार म्यूजियम, पटना के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम का विधिवत पोस्टर आज 25 जून को लॉन्च किया गया।

1000 से अधिक कला-शिक्षक जुड़े हैं संगठन से परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट एजुकेटर्स ऑफ

60 शिक्षकों को मिलेगा आर्ट एजुकेटर्स अवार्ड

उत्सव के संयोजक डॉ. जैनेंद्र दोस्त ने बताया कि कार्यक्रम में बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत संगीत, नृत्य, ललित कला और रंगमंच विषय के 60 शिक्षकों, व्याख्याताओं और प्राध्यापकों को कला शिक्षा में बेहतर योगदान के लिए आर्ट एजुकेटर्स अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

बिहार बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत संगीत, नृत्य एवं ललित कला के शिक्षकों,

ये होंगे मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिहार संग्रहालय, पटना के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एससीईआरटी , पटना के संयुक्त निदेशक डॉ सुरेंद्र कुमार, बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, मगध महिला कॉलेज की प्रो नीरा चौधरी और एलएनएमयू, दरभंगा की प्रो लावण्या कीर्ति सिंह काव्या मौजूद रहेंगी।

पहली बार इतना बड़ा आयोजन:

सह संयोजक राजीव रंजन और उदय कुमार पंडित ने कहा कि यह पहला मौका है जब शिक्षाविदों का इतना बड़ा समूह विश्व संगीत दिवस

व्याख्याताओं और प्राध्यापकों का एक सक्रिय अकादमिक समूह है। वर्तमान में इस समूह से राज्य भर के एक हजार से अधिक कला-शिक्षक एवं शिक्षाविद जुड़े हैं। यह समूह बिहार में कला शिक्षा के उत्थान, लोक कलाओं के संरक्षण और शिक्षाविदों के व्यावसायिक विकास के लिए लगातार काम कर रहा है। क्या होगा खास ? एक दिवसीय इस उत्सव में गीत-संगीत, नृत्य, नाटक और जादू कला की प्रस्तुतियों के साथ-साथ कला शिक्षा की चुनौतियों पर पैनल डिस्कशन भी होगा।

है। सरकार इस पूरे मामले को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है तथा जांच प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत उसके निष्कर्षों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों के विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मिथिला मल्टी-कमोडिटी उद्यान क्लस्टर को मिली केंद्र सरकार की मंजूरी, हजारों किसानों को मिलेगा लाभ

■ करीब 100 करोड़ की लागत से मधुबनी और दरभंगा में शुरू होगा क्लस्टर आधारित बागवानी खेती

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मिथिला के किसानों को केंद्र सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। बिहार सरकार का कृषि विभाग करीब 100 करोड़ की लागत से मधुबनी और दरभंगा जिले में क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत काम शुरू करने जा रहा है। भारत सरकार के राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड यानी एनएचबी ने मिथिला मल्टी-कमोडिटी उद्यान क्लस्टर के क्लस्टर गैप असेसमेंट रिपोर्ट, सीजीएआर, को स्वीकार कर लिया है। अब कृषि विभाग का उद्यान निदेशालय जल्द ही क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम, सीडीपी, 2021 के अंतर्गत इम्प्लीमेंटिंग एजेंसी का चयन कर कार्य शुरू करने जा रहा है। मिथिला मल्टी-कमोडिटी उद्यान क्लस्टर मेगा श्रेणी का एकीकृत बागवानी क्लस्टर है, जिसकी कुल प्रस्तावित परियोजना लागत 98.80 करोड़ रुपए है। क्लस्टर का क्षेत्र लगभग 15,100 हेक्टेयर

पटना। राज्य में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण मेलों के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग अलग से राशि आवंटित करता है। इस वर्ष अब तक आयोजित हुए 4 मेलों के लिए 8 करोड़ 24 लाख रुपये आवंटित हो चुके हैं। इनमें खास महत्व रखने वाले एक मेला श्रावणी मेला की तैयारी के लिए 2.75 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित कर दी गई है। इसके आवंटन की प्रक्रिया अंतिम चरण में चल रही है। यह राशि उन जिलों को आवंटित की गई है, जहां मेले का आयोजन होने वाले हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अनुसार राज्य में आयोजित हुए जिन 4 महत्वपूर्ण मेलों के लिए अब तक राशि आवंटित हो चुकी है, उनमें राजगीर मलमास मेला के लिए 4 करोड़ 85 लाख रुपये, दरभंगा में आयोजित हुए वीर लौरिक मेला और रामनवमी मेला के लिए भी अलग से राशि दी गई है। राज्यभर में प्रत्येक वर्ष करीब चार दर्जन मेलों का आयोजन होता है। इनमें कुछ

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सीडीपी 2021 के अंतर्गत मिथिला बहु-फसलीय बागवानी क्लस्टर की स्वीकृति बिहार के लिए रोजगार-उन्मुखी है। इससे आधुनिक मूल्य श्रृंखला विकसित होगी और यह महिलाओं और युवाओं के अनुकूल रोजगार के अवसर प्रशस्त करेगा। यह परियोजना 15,100 हेक्टेयर क्षेत्र में शुरू होने जा रही है। इससे 19,200 किसानों को लाभ होगा। परियोजना 98.80 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश तथा आधुनिक पौधशाला, सूक्ष्म-सिंचाई आधारित विस्तार, पौध स्वास्थ्य प्रबंधन, शीत-चेन श्रृंखला, पैकहाउस, शीतक-परिवहन, डिजिटल मार्केटिंग और निर्यात-मानकों जैसे प्रमाणित तथ्यों एवं वैज्ञानिक वैक्यू-चेन प्लान पर आधारित है। इससे किसान, एफपीओ, उद्यमी, महिलाएं और युवा सशक्त होंगे तथा बिहार के किसान परिवारों में समृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि उद्यान निदेशालय अब जल्द ही एनएचबी के साथ मेमोरैंडम ऑफ एग्रीमेंट का निष्पादन कर सीडीपी 2021 के प्रावधानों के अनुरूप इम्प्लीमेंटिंग एजेंसी के चयन के लिए आरएफपी जारी करेगा।

इस वर्ष अब तक 4 मेलों के लिए 8.24 करोड़ रुपये आवंटित

■ श्रावणी मेला पर खर्च होंगे 2.75 करोड़ से अधिक राशि

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राज्य में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले महत्वपूर्ण मेलों के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग अलग से राशि आवंटित करता है। इस वर्ष अब तक आयोजित हुए 4 मेलों के लिए 8 करोड़ 24 लाख रुपये आवंटित हो चुके हैं। इनमें खास महत्व रखने वाले एक मेला श्रावणी मेला की तैयारी के लिए 2.75 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित कर दी गई है। इसके आवंटन की प्रक्रिया अंतिम चरण में चल रही है। यह राशि उन जिलों को आवंटित की गई है, जहां मेले का आयोजन होने वाले हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अनुसार राज्य में आयोजित हुए जिन 4 महत्वपूर्ण मेलों के लिए अब तक राशि आवंटित हो चुकी है, उनमें राजगीर मलमास मेला के लिए 4 करोड़ 85 लाख रुपये, दरभंगा में आयोजित हुए वीर लौरिक मेला और रामनवमी मेला के लिए भी अलग से राशि दी गई है। राज्यभर में प्रत्येक वर्ष करीब चार दर्जन मेलों का आयोजन होता है। इनमें कुछ



मेलों का विशेष अवसर या महत्व को लेकर आयोजित किए जाते हैं। एक दर्जन से अधिक मेलों को राजकीय मेला का दर्जा भी प्राप्त है। कुछ मेलों का ही आयोजन पर्टयन विभाग के स्तर से होता है, लेकिन अन्य सभी मेलों का आयोजन राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के स्तर से होता है। इस मामले में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल का कहना है कि राज्य के महत्वपूर्ण मेलों के सफल आयोजन कराने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसके लिए इस वित्तीय वर्ष में अबतक 8.24 करोड़ रुपये से अधिक राशि आवंटित कर दिया गया है।

15वें फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में बिहार का शानदार प्रदर्शन



■ स्वर्ण पदक विजेता शत्रुघ्न पासवान को डॉ. रणबीर नंदन ने किया सम्मानित

पटना। इंडियन बॉडी बिल्डर्स फेडरेशन के तत्वावधान में पंजाब के लुधियाना में आयोजित 15वें फेडरेशन कप बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप2026 में बिहार के खिलाड़ी एवं पटना रेल जीआरपी में कार्यरत शत्रुघ्न पासवान ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बिहार का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर न्यू बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन, बिहार के मुख्य संरक्षक डॉ. रणबीर नंदन (अध्यक्ष, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड) ने अपने आवास पर आयोजित एक सम्मान समारोह में शत्रुघ्न पासवान को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ी के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके कार्यक्षेत्र में पदोन्नति (प्रमोशन) के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर डॉ. रणबीर नंदन (अध्यक्ष, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड) ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उच्चल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। प्रतियोगिता में बिहार के अन्य खिलाड़ियों प्रकाश कुमार, गोविंद कुमार एवं सुमित कुमार ने भी सराहनीय प्रदर्शन कर राज्य का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर संच के कोषाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, उपाध्यक्ष गुंजेश झा, संयुक्त सचिव उपेन्द्र कुमार, मुकुल कुमार चौधरी, अजय कुमार, सूरज भाबु गुप्ता, मनोज कुमार सहित न्यू बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उच्चल भविष्य की कामना की।

सिर्फ कागजी खानापूरी कर पीड़ित परिवार को किया जा रहा गुमराह: अरुण

बिहपुर। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि यह बेहद हैरान करने वाली बात है कि पथ निर्माण मंत्री को अपने ही विभाग के सचिव को कार्रवाई के लिए पत्र लिखना पड़ रहा है। अगर मंत्री ही विभाग के सर्वोच्च राजनीतिक प्रमुख हैं, तो फिर विभाग पर उनका नियंत्रण कहाँ है ? इसका मतलब है इस सरकार में मंत्री को मंत्री महत्व नहीं है ? राजद प्रवक्ता ने कहा कि यह पत्र सरकार की नाकामी का लिखित सबूत है। मंत्री स्वयं पत्र में स्वीकार कर रहे हैं कि विक्रमशिला सेतु पर लापरवाही के कारण एक निर्दोष व्यक्ति की जान चली गई। सवाल है कि जब विभाग उनके ही अधीन है, तो कार्रवाई के लिए सिर्फ पत्र क्यों ? दोषियों पर तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं हुई ? मृतक के परिजनों को मुआवजा अबतक क्यों नहीं मिला ? राजद प्रवक्ता ने कहा कि पथ निर्माण मंत्री घटना की जवाबदेही लेने के बजाय सिर्फ कागजी खानापूरी कर पीड़ित परिवार और बिहपुर विधानसभा क्षेत्र वासियों को गुमराह कर रहे हैं।

राजगीर में दलित युवकों की माँब लिंगिंग मामले की लीपापोती की कोशिश: भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने नालंदा जिला के राजगीर में दो दलित युवक की माँब लिंगिंग कर की गई हत्या की तीखी निंदा करते हुए सरकार पर मामले को लीपापोती करने का आरोप लगाया है। वहीं नगरनौसा में डिग्री कॉलेज के लिए आंदोलन कर रहे युवाओं और ग्रामीणों पर हुए पुलिसिया जुलम की निंदा की है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि भाजपा सरकार में काबून व्यवस्था पूरी तरह चैप्ट हो गई है। पूरे राज्य में पुलिसिया जुलम बढ़ गया है। पुलिस अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय निर्दोष लोगों का फर्जी एनकाउंटर कर हत्या कर रही है। राजगीर में चोरी के आरोप में दो दलित युवकों की हत्या माँब लिंगिंग कर कर दी गई, जबकि घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर थाना है, इसके बावजूद पुलिस को कार्रवाई करने में घंटी लग गए। घटना पर सरकार मौन धारण की हुई है। लोगों का काबून पर से विश्वास उठता जा रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राजगीर की घटना में दर्ज मामलों में संलिप्त सभी अपराधियों को स्पीडी ट्रॉयल चालकर सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग करती है। साथ ही पीड़ित परिवारों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा और परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की मांग करती है।

साहित्य के एकांतिक साधक और मनुष्यता के कवि थे डा दीनानाथ शरण : गंगा प्रसाद

■ रामायण परिपथ बिहार के लेखक रवि संगम तथा विमरानी श्रीवस्तव को दिया गया स्मृति-सम्मान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। साहित्य के एकांतिक साधक और मनुष्यता के कवि थे डा दीनानाथ शरण। उन्होंने नेपाल में हिन्दी के प्रचार में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण कार्य किए। त्रीभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू में छाहिन्दी-विभागह्क की स्थापना का सारा श्रेय भी शरण जी को जाता है। वे एक विद्वान समालोचक और लोकप्रिय प्राध्यापक हैं। उनकी रचनाओं में, सत्य, न्याय और आदर्श जीवन के सभी तत्त्व हैं। उनकी लेखनी से मानवीय करुणा और समाज की पीड़ा की अभिव्यक्ति हुई है। यह बातें शुक्रवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती एवं सम्मान-समारोह का उद्घाटन करते हुए, सत्सिक्म के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कही। इस अवसर पर उन्होंने बहुचर्चित



पर्यटक डायरी और शोध पुस्तक रामायण परिपथ बिहार के लेखक रवि संगम को डा दीनानाथ शरण स्मृति सम्मानह्क से तथा लेखिका विभारानी श्रीवास्तव को विदुषी शैलजा बाला स्मृति सम्मान से विभूषित किया। सम्मान स्वरूप दोनों हिन्दी-संवि्यों को वंदन-वस्त्र और प्रशस्ति-चिन्ह सहित क्रमशः ग्याह्क हजारा रूपए एवं पाँच हजार एक सौ रूपए की सम्मान-राशि भी प्रदान की गयी। वरिष्ठ लेखक डा शशिभूषण सिंह को ब्रजेंद्र कुमार श्रीवास्तव स्मृति न्यास के सौजन्य से सरस्वती श्री सम्मान से विभूषित किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुबन ने कहा कि, शरण जी की

ख्याति उनके द्वारा प्रणीत आलोचना-ग्रंथ हिन्दी का इति में छायावाद से हुई। वे नेपाली साहित्य का इतिहासह्क लेखक तथा नेपाली कृतियों के हिन्दी अनुवाद के लिए भी सम्मान पूर्वक स्मरण किए जाते हैं। उन्होंने साहित्य की प्रायः सभी विधाओं; कविता, कहानी, संस्मरण, उपन्यास, ललित निबंध, भेंट-वार्ता तथा शोध-निबन्ध में भी अधिकार पूर्वक लिखा। डा सुलभ ने लेखिका निना अमिताभ द्वारा किए गए आमंत्रियाई बाल कथाओं के हिन्दी अनुवाद आमंत्रियाई बाल कथाएँ का लोकार्पण भी किया। सम्मेलन के साहित्य मंत्री भावती प्रसाद द्विवेदी, स्वर्गीय शरण के पुत्र शम्भु अमिताभ, पुत्री वंदना



संक्षिप्त खबरें

अकीदत व शांति के साथ निकला मोहर्रम का ताजिया जुलूस

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत मुस्तफापुर, महमदपुर सकड़ा, सिधिया, बेलसंडी और नरहन सहित अन्य गांवों में मोहर्रम का त्योहार अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।ताजिया जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने ह्वाया हुसैनह के नारों के बीच लाठी, डंडे और पारंपरिक हथियारों के साथ हैरतअंगेज कला का प्रदर्शन किया।वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी संवेदनशील चौक-चौराहों पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मुस्तैद दिखे।ग्रामीणों के सहयोग से पूरा आयोजन आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की 77वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम भारत रत्न की उठी मांग

मुजफ्फरपुर। किसान-मजदूर आंदोलन के प्रखर नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती की 77वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को रेड क्रॉस सोसाइटी सभागार में भव्य श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में किसान, मजदूर, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह में स्वामी सहजानंद के योगदान को याद करते हुए उन्हें मरणोपरान्त भारत रत्न देने, बिहटा एयरपोर्ट और कृषि विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखने तथा मुजफ्फरपुर का नाम बदलकर ह्मोदफलपुरह्द करने की मांग प्रमुखता से उठी। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ संत स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद, बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता, युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह, विधायक बेबी कुमारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुर अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती केवल संत ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण के महान योद्धा थे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया गया, उसी तरह मुजफ्फरपुर के ऐतिहासिक नाम ह्मोदपुरह्द के आधार पर इसका नाम ह्मोदफलपुरह्द किए जाने पर विचार होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री स्म्राट चौधरी से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया। युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिहटा एयरपोर्ट का नाम स्वामी सहजानंद सरस्वती के नाम पर रखने और देश में उनके नाम से कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार से जंगरराज समाप्त करने के संघर्ष में उनके परिवार ने भी बड़ी कुबानी दी है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने स्वामी सहजानंद के स्वतंत्रता सेनानी, संत, लेखक और क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी किसानों और मजदूरों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वहीं पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण और किसान हितों के लिए उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक अनिल ठाकुर ने कहा कि स्वामी सहजानंद ने बिहार को किसान आंदोलन की नई दिशा दी और सामाजिक न्याय को मजबूत आधार प्रदान किया।

सीवान के दरौदा में निजी विश्वविद्यालय स्थापना को गिली नगरी: विधायक व्यास सिंह

सीवान/ दरौदा के माननीय विधायक कमरजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह जी के प्रयास से दरौदा के ममतामेंडिकल कॉलेज एंड अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन को निजी क्षेत्र में वी. बी. गिरी विश्वविद्यालय संचालन की स्वीकृति प्रदान की गई ।बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने सीवान जिले के दरौदा में एक नए निजी विश्वविद्यालय की स्थापना एवं संचालन को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संबंध में विभाग द्वारा प्रेस नोट जारी कर जानकारी दी गई है। जारी प्रेस नोट के अनुसार, अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन ट्रस्ट, छितनावां, दानापुर (पटना) को निजी क्षेत्र में वीटी गिरी विश्वविद्यालय, दरौदा की स्थापना और विश्वविद्यालय के संचालन की अनुमति दी गई है। उच्च शिक्षा विभाग का कहना है कि राज्य में निजी विश्वविद्यालय की स्थापना से उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकन अनुपात (GER) में वृद्धि होगी। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे और उन्हें अपने ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। सरकार के इस निर्णय को सीवान सहित अक्सर के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। विश्वविद्यालय की स्थापना से उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे तथा क्षेत्र के शैक्षणिक और सामाजिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

मोहर्रम पर शांति-सुरक्षा का संदेश, एसपी ने निकाला पलैग मार्च

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। मोहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में शांति, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार, 26 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के नेतृत्व में मधेपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में पुलिस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल रहे। व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी संवेदनशील चौक-चौराहों पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मुस्तैद दिखे।ग्रामीणों के सहयोग से पूरा आयोजन आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

स्वामी सहजानंद सरस्वती की 77वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम भारत रत्न की उठी मांग

मुजफ्फरपुर। किसान-मजदूर आंदोलन के प्रखर नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती की 77वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को रेड क्रॉस सोसाइटी सभागार में भव्य श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में किसान, मजदूर, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह में स्वामी सहजानंद के योगदान को याद करते हुए उन्हें मरणोपरान्त भारत रत्न देने, बिहटा एयरपोर्ट और कृषि विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखने तथा मुजफ्फरपुर का नाम बदलकर ह्मोदफलपुरह्द करने की मांग प्रमुखता से उठी। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ संत स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद, बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता, युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह, विधायक बेबी कुमारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुर अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती केवल संत ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण के महान योद्धा थे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इलाहाबाद का नाम प्रयागराज किया गया, उसी तरह मुजफ्फरपुर के ऐतिहासिक नाम ह्मोदपुरह्द के आधार पर इसका नाम ह्मोदफलपुरह्द किए जाने पर विचार होना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री स्म्राट चौधरी से इस दिशा में पहल करने का आग्रह किया। युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिहटा एयरपोर्ट का नाम स्वामी सहजानंद सरस्वती के नाम पर रखने और देश में उनके नाम से कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार से जंगरराज समाप्त करने के संघर्ष में उनके परिवार ने भी बड़ी कुबानी दी है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद ने स्वामी सहजानंद के स्वतंत्रता सेनानी, संत, लेखक और क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी किसानों और मजदूरों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वहीं पर्यटन मंत्री केदार गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण और किसान हितों के लिए उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक अनिल ठाकुर ने कहा कि स्वामी सहजानंद ने बिहार को किसान आंदोलन की नई दिशा दी और सामाजिक न्याय को मजबूत आधार प्रदान किया।



प्रातः किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के महिषी डीह में दिवाकर झा के आवासीय परिसर में पशुपालक किसान गोष्ठी का आयोजन पूर्व मुखिया कपिलेश्वर कुंवर की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। गोष्ठी में पशुओं के रखरखाव, दूध की दाम में बढ़ोतरी, पशुओं की पोस्टिक आहार, बीमा आदि संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया।मोष्ठि में संघ के अध्यक्ष बैजनाथ चौधरी, आयोजक हीरा झा, ऋषभ कुमार, राहुल कुमार, पवन यादव सहित दर्जनों किसान भाग लिया।

जयनगर में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मुहर्रम जुलूस, सामाजिक संदेशों से सजी रही झांकिया

एसडीएम डीएसपी सीओ बीडीओ थाना अध्यक्ष समेत पुलिस बल रहे मौजूद

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर क्षेत्र में मुहर्रम पर्व को लेकर कपुर में मुस्लिम समुदायों के लोगों के द्वारा तिरंगा के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चों युवाओं युवतियो महिलाओं ने भाग लिया। शहरी क्षेत्र में थाना टोला, भेलवा टोला, राजपुताना मुहल्ला, छपकी टोला और बलड़िहा , इस्लामपुर समेत अन्य अखाड़ों में कमिटी शहरी और गांव के मुस्लिम समुदाय के लोगो ने जुलूस के माध्यम से हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई पर एकता का प्रतिक को देखाप्रतिक अंदाज में निखारने का काम किया तो सारे जहा से हिंदुस्तान हमारा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, विश्व शक्ति में उभड़ता



भारत,भारत की शक्ति को उभारने का काम किया गया महिला सुरक्षा महिला सशक्तिकरण महंगाई समेत कई झांकिया जागरूकता का संदेश देते हुए आकर्षण का केंद्र बना रहा। जुलूस में मुस्लिम समुदाय के साथ हिन्दू समुदाय के लोगों ने भी भाग लेकर कौमी एकता

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर जागरूकता व शपथ कार्यक्रम आयोजित

बेनीपुर(दरभंगा)। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार दरभंगा के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शर्मा के निर्देश पर रमौली पंचायत भवन एवं उपकारा बेनीपुर में जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रमौली पंचायत भवन में पैनल अधिवक्ता सह मुखिया ने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूकता और जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के अवैध वितरण, बिक्री एवं तस्करी पर रोक के लिए देश में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत सख्त कानूनी व्यवस्था है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग जरूरी है। इस दौरान नशामुक्त भारत के लिए संचालित राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के छहडॉनहोजना की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पारा विधिक स्वयंसेवक प्रदीप पासवान, शिवशंकर पांडेय, सुमंत कुमार भगत, नितीश कुमार राम, सूरज मंडल, योगेश्वर पासवान, सुदर्शन झा, मदन झा, संतोष झा, मोहन मिश्र एवं सुभाष कुमार मिश्र उपस्थित रहे। वहीं, उपकारा बेनीपुर में पैनल अधिवक्ता मोहम्मद हैदर अली ने काराधीन बंदियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उपकारा के चिकित्सक डॉ. छोटू कुमार पासवान ने बंदियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में सहायक अधीक्षक अमितेश कुमार, औषधि वितरक नीरज कुमार, पारा विधिक स्वयंसेवक नितीश कुमार राम सहित सभी बंदी उपस्थित रहे।

शांति, सौहार्द व पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ मुहर्रम, अखाड़ों में खिलाड़ियों ने दिखाए करतब

कुशेश्वरस्थान। प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व शुक्रवार को पूरी श्रद्धा, आस्था और आपसी भाईचारे के वातावरण में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुशेश्वरस्थान बाजार, भलूका, केवटगामा, पकड़िया, तबनगा, सलमण्ड, गुप्तराजपुर, उत्पलब्ध होम और उन्हें अपने ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। सरकार के इस निर्णय को सीवान सहित अक्सर के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। विश्वविद्यालय की स्थापना से उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे तथा क्षेत्र के शैक्षणिक और सामाजिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

और अनुशासन का परिचय देते हुए खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रोमांचक एवं हैरतअंगेज करतब दिखाए। इस प्रदर्शनों को देखने के लिए आपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, जिससे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। पर्व को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला एवं स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। संवेदनशील स्थानों, प्रमुख चौक-चौराहों तथा जुलूस मार्गों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कुशेश्वरस्थान थाना अध्यक्ष गौरव प्रसाद स्वयं लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। उन्होंने बताया कि पूरे प्रखंड में मुहर्रम

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें



संदिग्ध गतिविधि अथवा अग्रिय घटना की सूचना तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस को दें।जिला पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मोहर्रम पर्व को लेकर जिलेभर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

किए गए हैं। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ लगातार गश्ती एवं निगरानी की जा रही है, ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

जनहित सर्वोपरि एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी और निर्बाध बनाने में जुटा जिला प्रशासन

●11,927 बुकिंग के मुकाबले पर्याप्त सिलेंडर उपलब्ध, हर उपभोक्ता तक होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले में एलपीजी गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रित है। जिला प्रशासन ने बताया कि गैस वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। प्रशासन के अनुसार 25 जून को जिले में 11,927 एलपीजी उपभोक्ताओं ने गैस बुकिंग कराई। वहीं विभिन्न तेल कंपनियों से कुल 13,135 गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हुई, जिसमें आईओसीएल के 6,149, एचपीसीएल के 3,122 तथा बीपीसीएल के 1,929 सिलेंडर शामिल हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि 2 मार्च से 25 जून 2026 तक जिले में कुल 15,88,156 गैस



बुकिंग दर्ज की गई है और मांग के अनुरूप लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।जिला प्रशासन ने सभी गैस एजेंसियों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि वसूलने, अनावश्यक रूप से परेशान करने अथवा वितरण में लापरवाही करने वाली एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। जिला प्रशासन ने प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने आम उपभोक्ताओं से अनावश्यक गैस बुकिंग एवं पेट्रोल-डीजल का भंडारण नहीं करने तथा कालाबाजारी या जमाखोरी की सूचना

दरभंगा के ओझौल गांव में युवक की हत्या, एसआई को गोली लगने के बाद भड़की हिंसा, पुलिस जांच में जुटी

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा । दरभंगा जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ओझौल गांव में सुबह एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई, जबकि बिहार पुलिस के एक एसआई मोहम्मद मोबिन गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल एसआई का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया है तथा गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। मृतक की पहचान दिलीप सहनी के पुत्र सुनील सहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

डीएमसीएच भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही बहादुरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।स्थानीय लोगों के अनुसार, सुनील सहनी ने तीन वर्ष पूर्व गांव की ही सानिया से प्रेम विवाह किया था और शादी के बाद अहमदाबाद में रह रहा था। दो दिन पूर्व वह अपनी पत्नी के साथ गांव आया था। ग्रामीणों का कहना है कि शुक्रवार तड़के ताजिया जुलूस के दौरान मंदिर के समीप खड़े एसआई मोहम्मद मोबिन को कुछ अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। गोली चलने के बाद अफरातफरी मच गई। इसी दौरान कुछ लोगों ने सुनील सहनी को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की।

इसके बाद किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धारदार हथियार से हमला किए जाने से उसकी मौत हो गई। इन घटनाक्रमों की पुलिस आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई, आरोपितों की गिरफ्तारी तथा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के निर्देश दिए। एफएएसए टीम को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गरुड़ नाथ बाबा समाधि स्थल पर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न, अष्टयाम यज्ञ शुरु

प्रातः किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के महमदपुर सकड़ा गांव (वार्ड 11) में स्थित सिद्ध संत गरुड़ नाथ बाबा के जीवित समाधि स्थल पर नवनिर्मित भव्य मंदिर में महादेव, बजरंगबली,विष्णु भगवान सहित विभिन्न देवी-देवताओं का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न हो गया। यह धार्मिक कार्य स्वर्गीय वशिष्ठ नारायण गिरि के पुत्रों ज्योतिषाचार्य अखिलेश गिरि, अजीत गिरि, विभेष गिरि और पुत्री रेणु गिरि द्वारा अपने पूर्वजों की स्मृति और पिता के संकल्प को पूरा करने के लिए आयोजित किया गया। 22 जून को कलश यात्रा से शुरू होकर 25 जून को 11 विद्वान पंडितों और 11 ब्रतियों द्वारा हवन व 12 प्रकार के अधिवास के साथ प्राण प्रतिष्ठा पूर्ण हुई। 26 जून को सुबह हजारों श्रद्धालु झमटिया गंगा धाम पहुंचे, जहां से पैदल जल लाकर सुबह 5 बजे से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।वहीं राजेश कुमार गिरि (राजा बाबू) द्वारा प्रतिदिन अनवरत भंडारा चलाया जा रहा है। 26 जून को सुबह 11 बजे से अष्टयाम यज्ञ प्रारंभ हुआ जो 27 जून को यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ ही कुमारी कन्याओं द्वारा 151 कलशों का विसर्जन किया जाएगा। इस भव्य आयोजन पर ग्रामीण प्रो. महेंद्र महतो, दुलारचंद महतो, अरविंद महतो,लाल बाबू महतो,राम नारायण चौधरी, पूर्व सरपंच हरे राम मिश्र,हरि नारायण सिंह,वार्ड सदस्य अशोक कुमार राय सहित पूरे क्षेत्र के लोगों ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की है। ज्योतिषाचार्य अखिलेश गिरि ने कहा कि यह स्थल भविष्य में क्षेत्र का एक बड़ा आध्यात्मिक और आस्था का केंद्र बनेगा।



मैथिली साहित्य में श्री राधा पुस्तक का भव्य विमोचन विद्वानों ने बताया मैथिली साहित्य की महत्वपूर्ण कृति

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। एमएलएसएम महाविद्यालय में शुक्रवार को डॉ. दीर्घनारायण कुमार द्वारा लिखित पुस्तक ह्रमैथिली साहित्य में श्री राधाह्द का लोकार्पण कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मी निवास पांडे ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ह्हराणागत होने से ही जीवन दोषमुक्त होता है और राधा तत्व में नारायण भाव से ड़बकर ही यह संभव है।ह्द उन्होंने कहा कि लेखक ने भक्ति रस में पूर्णतः निमग्न होकर इस कृति की रचना की है, जो मैथिली साहित्य के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगी। कार्यक्रम का शुभारंभ तेजकिन्वी एवं तेजस ठाकुर द्वारा भगवती वंदना से हुआ। मनीष कुमार ने पुस्तक एवं लेखक का परिचय प्रस्तुत किया, जबकि हृदय कुमार झा ने लेखक को सौम्य, शांत, गंभीर एवं धीर व्यक्तित्व का साहित्यकार बताया। पुस्तक



में मिथिला की साहित्यिक परंपरा, लाल दास, मधुप, मोदलता एवं बाबा विद्यापति की रचनाओं में राधा तत्व के समावेश पर विस्तार से चर्चा की गई।विशिष्ट अतिथि डॉ. दिलीप कुमार झा ने कहा कि अधिवक्ता एवं लिपिक जैसे व्यस्त पेशे में रहते हुए लेखक की यह साहित्यिक साधना प्रेरणादायी है। डॉ. मंजर सुलेमान ने राधा तत्व पर आधारित इस कृति की सरहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला बताया। लेखक डॉ. दीर्घनारायण कुमर ने अपनी लेखन यात्रा, वेद, उपनिषद, संहिता एवं देवी

भागवत पुराण के संदर्भों का उल्लेख करते हुए अपनी माता के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।केवटी विधायक मुरारी मोहन झा ने इसे न्याय क्षेत्र के कर्मियों के लिए गौरव का विषय बताया। बार एसोसिएशन दरभंगा के सचिव कृष्ण कुमार मिश्रा, अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त प्राध्यापक अमरेश झा तथा डॉ. शिशिर कुमार झा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन तह्रण कुमार झा ने किया। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान अमरीश कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन ब्रजधर कुमर ह्दसंद्भू ने किया।

रांची में सड़क हादसे में विमूतिपुर के मजदूर की मौत-परिजनों में मचा कोहराम

प्रातः किरण संवाददाता

विभूतिपुर/विभूतिपुर। थाना क्षेत्र के एक मजदूर की झारखंड की राजधानी रांची में सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद मृतक के गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, मृतक विभूतिपुर थाना क्षेत्र के महथी दक्षिण-वार्ड संख्या 14, मोहनपुर निवासी स्व. शिवनारायण कुमार के पुत्र अशोक कुमार(40) महतो के पिता अशोक कुमार(40) बंशज जाता है। अशोक अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए रांची में रहकर मजदूरी करता था। बुधवार को वह रोजाना की तरह काम पर जा रहा था, इसी दौरान वह

एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गया और शुक्रवार उसकी मौत हो गई।अशोक अपने दो भाइयों में सबसे बड़ा था और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। उसकी मौत की खबर जैसे ही गांव पहुंची, परिजनों में चीत्कार मच गई। मृतक की वृद्ध माता उर्मिला देवी और पत्नी रंकि देवी चीत्कार मारकर बेसुध हो रही है। अशोक अपने पीछे तीन पुत्रियां—मुस्कान, काजल, तनिषा और दो पुत्र—यश कुमार व खुश राज कुमार हैं। पिता की अचानक मौत से इन पांचों मासूम बच्चों के सिर से साया हमेशा के लिए उठ गया है। वहीं परिजन समाचार लिखे जाने तक लाश आने की ईंजाम कर रहे थे।अद रात्रि तक लाश आने की संभावना है।

बेनीपुर के विधायक ने सड़क व छठ घाट का किया लोकार्पण, विकास कार्यों को गिनाया

प्रातः किरण संवाददाता

बेनीपुर (दरभंगा) । स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सचेतक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार का सुवर्णीण विकास केवल एनडीए सरकार के नेतृत्व में ही संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य आज न्याय के साथ विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और सभी जाति, धर्म एवं वर्गों की समान भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। शुक्रवार को बहेड़ी प्रखंड के समदपुरा एवं बघोनी गांव में आयोजित दो अलग-अलग कार्यक्रमों में विधायक



ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत विधायक एक्छिक कोष से निर्मित विकास योजनाओं का लोकार्पण किया।बघोनी गांव में रामलखन मंडल के घर से रामजगत मंडल के घर तक बनी पीसीसी सड़क तथा समदपुरा पंचायत के लामोपुर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर के समीप निर्मित छठ घाट का

समूहों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने विधायक को पाग, माला और चादर भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर जदयू युवा जिलाध्यक्ष राम शंकर सिंह, गजेन्द्र प्रसाद साह,भाजपा नेता लाल बहादुर सिंह,राधारमण मंडल, मनोज सिंह, मनोष कुमार,अंकित झा,समतोला देवी, फूलकुमारी देवी,संतोष साह,दानी प्रसाद सिंह,विपिन भगत,इंद्र लालदेव,प्रदीप मंडल, राजा,रामबू,झावाहन मंडल,घनश्याम लालदेव,सीताराम मंडल, प्रेम चौपाल,शंकर साह, राजनारायण मंडल,पवन मंडल सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बाढ़ से निपटने को प्रशासन अलर्ट, 418 राहत शिविर और 278 नावें तैयार

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी कुमार गौरव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला से लेकर प्रखंड स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई और सभी अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता (आपदा) ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बाढ़ पूर्व तैयारियों और विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।



समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। वर्तमान में 26,125 पॉलिथीन शीट्स उपलब्ध हैं। राहत एवं बचाव कार्यों के लिए 15 सरकारी नावों के साथ 263 निजी नावों को भी चिन्हित किया गया है। प्रशासन ने राहत एवं

पुनर्वास की तैयारियां भी पूरी कर ली हैं। जिले में 418 राहत शिविर और 448 सामुदायिक रसोई केंद्र चिन्हित किए गए हैं, जहां बाढ़ प्रभावित लोगों को आश्रय एवं भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। बैठक में बताया

गया कि आपदा संपूर्त पोर्टल पर अब तक 5 लाख 54 हजार 843 संभावित बाढ़ प्रभावित परिवारों का पंजीकरण किया जा चुका है। इन सूचियों का सत्यापन और अद्यतन कार्य जारी है ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता प्रदान की जा सके। बचाव उपकरणों की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 6 इनफ्लैटेबल मोटर बोट, 65 टेंट, एक महाजाल, एक इनफ्लैटेबल लाइफ्टिंग सिस्टम, 20 लाइफ बॉय रिंग, 65 लाइफ जैकेट, दो जीपीएस सेट और पांच सैटेलाइट फोन उपलब्ध हैं। साथ ही 159 प्रशिक्षित गोताखोरों और 497 आपदा मित्रों की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में बूढ़ी गंडक, गंडक और बागमती नदियों के कारण हर

वर्ष बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अलावा लखनदेई, करेह और बाया नदी के कारण भी कई इलाकों में जलजमाव की समस्या रहती है। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण विभाग के अभियंताओं को तटबंधों का नियमित निरीक्षण करने तथा जहां आवश्यकता हो वहां तत्काल सुदृढ़ीकरण कार्य कराने का निर्देश दिया। जिले के 147 स्लुइस गेटों की स्थिति सतोषजनक बताई गई और उनकी मरम्मत एवं ग्रेसिंग का कार्य जारी रहने की जानकारी दी गई। डीएम ने सभी अंचलाधिकारियों और कनीय अभियंताओं को अपने-अपने क्षेत्रों के तटबंधों एवं कटावरोधी कार्यों का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। साथ ही सभी नहरों के ड्रेनेज सिस्टम का समेकित नक्शा तैयार कर उपलब्ध कराने को कहा।

गायघाट छिनतई कांड का खुलासा एक आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के बखरी चौक के समीप 23 जून की शाम हुई गहनों की छिनतई की घटना का पुलिस ने सफल उद्बेदन कर लिया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 23 जून की शाम चार अज्ञात बदमाशों ने एक महिला के गले से मंगलसूत्र, ढोलना और चैन खोल ली थी। पीड़िता के आवेदन के आधार पर 24 जून को गायघाट थाना में कांड दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण के पर्यवेक्षण तथा अग्रमंडल पुलिस पदाधिकारी पूर्वी-1 के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए अहिवापुर थाना क्षेत्र निवासी सुनील कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, शर्ट और चप्पल भी बरामद किए हैं। पछताछ में आरोपी ने बताया कि घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल उसकी पत्नी के नाम से निर्बाधित है, जबकि घटना के समय उसका भाई वाहन चला रहा था। आरोपी ने अपने स्वीकारोक्ति बयान में घटना में सलिलता भी स्वीकार की है।

नए केंद्रीय विद्यालय के संचालन में देरी बर्दाश्त नहीं, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में नए केंद्रीय विद्यालय के समय पर संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को जिलाधिकारी कुमार गौरव ने बीबी कॉलेजिएट स्कूल का निरीक्षण कर शिक्षा विभाग के अधिकारियों और स्कूल प्राचार्य को स्पष्ट निर्देश दिया कि केंद्रीय विद्यालय के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्लस-2 भवन

में चल रहे रंग-रोगन और मरम्मत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भवन का कार्य तय समय पर हर हाल में पूरा किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने सभी कमरों का निरीक्षण कर बच्चों की सुरक्षा के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कुमार अरविंद सिन्हा ने बताया कि भवन का कार्य अंतिम चरण में है और

बाढ़ से पहले अलर्ट मोड में प्रशासन: डीएम ने कटरा-गायघाट में तटबंधों का लिया जायजा

मुजफ्फरपुर। संभावित बाढ़ की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में जिलाधिकारी कुमार गौरव ने शुक्रवार को अधिकारियों की टीम के साथ जिले के बाढ़ प्रभावित कटरा एवं गायघाट प्रखंड का दौरा कर तटबंधों, स्लुइस गेटों तथा बाढ़ सुरक्षा व्यवस्थाओं का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय रहते पूरी करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद रहने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं संबंधित अंचलाधिकारियों को तटबंधों का नियमित निरीक्षण करने और संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संभावित कटाव वाले स्थानों पर प्लग फाइटिंग मटेरियल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुरक्षात्मक कार्य किया जा सके। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से निरंतर संपर्क बनाए रखने के भी निर्देश दिए। डीएम ने स्लुइस गेटों का निरीक्षण कर उनके नियमित संचालन एवं तकनीकी जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने गेटों के आसपास जमी गाद, जलकुशी एवं अन्य अवरोधों को तत्काल हटकर निर्बाध जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने, जलस्तर के अनुसार समय पर स्लुइस गेट संचालित करने तथा सभी यांत्रिक उपकरणों को हर समय कार्यशील रखने का निर्देश दिया।

सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण : स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर सख्त हुए डीएम

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और मरीजों के लिए सुगम बनाने की दिशा में जिलाधिकारी कुमार गौरव ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, इमर्जेंसी वार्ड, शिशु वार्ड, मातृ एवं शिशु अस्पताल (एमसीएच), दवा वितरण केंद्र तथा अस्पताल परिसर की साफ-सफाई का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी मरीजों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और सहज स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी पूरी निष्ठा के साथ अपने



दायित्वों का निर्वहन करें। डीएम ने सदर अस्पताल परिसर स्थित मातृ एवं शिशु अस्पताल (एमसीएच) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रेसट्टर एवं अनुसार चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की नियमित तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए गर्भवती महिलाओं, प्रसूता माताओं और नवजात शिशुओं को गुणवत्तापूर्ण उपचार एवं समुचित देखभाल उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि एमसीएच में सामान्य एवं ऑपरेशन से प्रसव, गर्भावस्था की नियमित जांच, नवजात शिशुओं की देखभाल, बच्चों के रोगों का उपचार, टीकाकरण तथा परिवार नियोजन जैसी आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि इन सभी सुविधाओं का लाभ प्रत्येक पात्र मरीज तक प्रभावी ढंग से पहुंचे और किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी

जिलाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह, बृहद आश्रय गृह का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न बाल संरक्षण संस्थानों के कुशल प्रबंधन एवं संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री कुमार गौरव ने सिकंदरपुर स्थित पर्यवेक्षण गृह, नरौली स्थित वृहद आश्रय गृह तथा खबड़ा स्थित विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, बच्चों की देखरेख, शिक्षा, भोजन व्यवस्था, सुरक्षा एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को सरकारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप संस्थानों का संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सिकंदरपुर

स्थित पर्यवेक्षण गृह में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को बताया गया कि मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत विधि के उल्लंघन के आरोपित बालकों के सुधारात्मक एवं पुनर्वासात्मक उपायों के लिए इस गृह का संचालन जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में यहां मुजफ्फरपुर जिले के 38, सीतामढ़ी जिले के 23 तथा शिवहर जिले के 4 बालकों सहित कुल 65 बालकों का आवासन है। गृह में 15 कर्मियों द्वारा बच्चों की दैनिक देखभाल की जा रही है, जबकि शिक्षा विभाग द्वारा प्रतिनियुक्त तीन शिक्षकों के माध्यम से नियमित शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बच्चों से संवाद कर उनकी दिनचर्या, शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने भोजन कक्ष, शयन

कक्ष, अध्ययन कक्ष तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए बच्चों की निर्धारित भोजन तालिका के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और सुधारात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उनमें सकारात्मक बदलाव लाना संस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसवे उपरांत जिलाधिकारी ने नरौली मुसहरी स्थित वृहद आश्रय गृह का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि यह गृह देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के समुचित संरक्षण तथा उनके पारिवारिक पुनर्वास के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में इस गृह में मुजफ्फरपुर जिले के 37 बच्चों का आवासन है।

हाहा गरीबनाथ धाम में नई विद्युत व्यवस्था का शुभारंभ

मुजफ्फरपुर। नगर निगम की ओर से बाबा गरीबनाथ धाम में नई विद्युत व्यवस्था के कार्य का विधिवत शुभारंभ पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर महापौर निर्मला साहू और उपमहापौर मोनालिसा ने पूजा-अर्चना कर परियोजना की शुरुआत की। कार्यक्रम में बाबा गरीबनाथ धाम के प्रधान पुजारी विनय पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना संपन्न

कराई। मौके पर स्थानीय पार्षद के.पी. पन्ना, उपनगर आयुक्त, सिटी मैनेजर तथा विद्युत विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि धाम में बेहतर और सुरक्षित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए फिलिप्स कंपनी को ओरिजिनल एवं उच्च गुणवत्ता वाले तारों के साथ उत्कृष्ट गुणवत्ता के स्विच लगाए जाएंगे। पूजा-अर्चना के बाद

विद्युत सामग्री की स्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया। नगर निगम के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य बाबा गरीबनाथ धाम परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में आधुनिक, सुरक्षित और निर्बाध विद्युत व्यवस्था उपलब्ध कराना है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और मंदिर परिसर की विद्युत व्यवस्था अधिक सुदृढ़ हो सके।

संविधान हत्या दिवस पर आपातकाल को बताया लोकतंत्र का काला अध्याय

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के रामदयालु सिंह महाविद्यालय सभागार में भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित हूस्सविधान हत्या दिवस झ कंग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय के 51वें वर्षह कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र, संविधान और नागरिक स्वतंत्रताओं पर गंभीर आघात बताते हुए उस दौर को याद किया गया वक्ताओं ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय था, जिससे देशवासियों को लोकतंत्र की रक्षा के महत्व का संदेश मिलाता है। इस अवसर पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संविधान की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा नागरिक अधिकारों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प भी दोहराया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निराला नंद राव, केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र की मजबूती और संविधान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर भी बल दिया।

री-नीट पेपर बॉक्स सील टूटने के मामले में सख्ती डाक महानिदेशालय ने मागी एक सप्ताह में रिपोर्ट

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। री-नीट परीक्षा के दौरान मोतिहारी और दरभंगा में प्रश्नपत्रों के पेपर बॉक्स की सील टूटने और वितरण प्रक्रिया में हुई गड़बड़ियों को भेज महानिदेशालय ने गंभीरता से लिया है। मामले में उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। महानिदेशालय ने पीएमजी, उत्तरी डाक परिमंडल, मुजफ्फरपुर से एक सप्ताह के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है। विभागीय सूचों के अनुसार जांच में यह पता लगाया जाएगा कि निर्धारित अधिकारी के स्थान पर कनीय अधिकारी को प्रश्नपत्र लेकर पटना

एयरपोर्ट क्यों भेजा गया। यह भी जांच का विषय होगा कि क्या इसके लिए किसी वरीय अधिकारी ने निर्देश दिया था या संबंधित अधिकारी ने स्वयं नियंत्र लेकर कनीय अधिकारी को भेज दिया। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को समय पर दी गई थी या नहीं। जांच का एक अहम बिंदु मोतिहारी से भेजे गए प्रश्नपत्रों के बॉक्स का ताला टूटने की घटना भी है। यह पता लगाया जाएगा कि ताला किस परिस्थिति में और किसके द्वारा तोड़ा गया तथा सुरक्षा व्यवस्था में चूक कहाँ हुई। गौरतलब है कि दरभंगा में डाक अधीक्षक की जगह

डाक निरीक्षक चितरंजन प्रसाद प्रश्नपत्र लेकर पटना एयरपोर्ट पहुंचे थे, लेकिन एयरपोर्ट अधिकारियों ने अधिकृत अधिकारी के नहीं होने के कारण पैकेट लेने से इनकार कर दिया। बाद में डाक अधीक्षक निजी वाहन से एयरपोर्ट पहुंचे, जिसके बाद प्रश्नपत्र स्वीकार किए गए। वहीं, मोतिहारी से भेजे गए प्रश्नपत्रों का एक बॉक्स टूटा हुआ मिलने पर उसे वापस लौटा दिया गया था। बाद में डाक अधीक्षक मुकेश कुमार लश्कर वसुं उस बॉक्स को सड़क मार्ग से दिल्ली लेकर पहुंचे। अब पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच के बाद जिम्मेदारी तय की जाएगी।

वितंतु सिपाही भर्ती परीक्षा कल प्रशासन ने की पूरी तैयारी

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार द्वारा बिहार पुलिस दूरसंचार एवं तकनीकी अराजपत्रित संवर्ग के सिपाही के पद पर 28 जून को मुजफ्फरपुर के 22 परीक्षा केंद्रों पर लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी। इस परीक्षा में 13721 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी पूरी कर ली है। अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था ने अधिकारियों की ब्रीफिंग कर परीक्षा की संपूर्ण प्रक्रिया, प्रावधान एवं दिशानिर्देश से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्र पर रिपोर्टिंग टाइम 10:00 बजे पूर्वाह्न है। इसलिए सभी अभ्यर्थी अपने-अपने केंद्र पर रिपोर्टिंग टाइम के पूर्व पहुंच जाएं ताकि कोई परेशानी न हो। अपर समाहर्ता ने परीक्षा संचालन में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं केन्द्राधीक्षकों से संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा को शुचित्ता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में स्टेटिक दंडाधिकारी सह प्रभक, जोनल दंडाधिकारी सह समन्वय प्रेक्षक तथा उड़नदस्ता दंडाधिकारी की तैनाती की गई है। सभी अधिकारियों को चयन पर्षदा द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना है। परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पूर्व सभी अभ्यर्थियों की सघन एवं कड़ाई से फ्रिस्किंग की जाएगी। परीक्षा में किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक सामग्री ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, ब्ल्यूटूथ डिवाइस, वाई-फाई गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक पेन, पेजर, स्मार्ट या साधारण रिस्ट वॉच सहित किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त व्हाइटनर, इरेजर, ब्लेड अथवा अन्य प्रतिबंधित सामग्री भी साथ रखने पर रोक लगाई गई है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास प्रतिबंधित सामग्री पाई जाती है तो इसे कदाचार माना जाएगा और उसके विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।



सम्पादकीय

क्या प्रतिभा का सही आकलन कर पाती हैं नीट जैसी परीक्षाएं ?

मौजूदा परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों की वास्तविक प्रतिभा का सही आकलन नहीं कर सकती। ऐसे मंस यह प्रश्न उठता है कि विद्यार्थियों के मूल्यांकन की अधिक न्यायसंगत व्यवस्था क्या हो सकती है ? पहले पेशेवर महाविद्यालयों में प्रवेश मुख्यतः बारहवीं कक्षा के अंकों के आधार पर होता था। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अंकों पर भी सिफारिशों और अन्य दबावों का प्रभाव पड़ता है। लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में कई विद्यार्थियों की दुखद मृत्यु हो गई और कई घायल हो गए। नीट पेपर लोक के बाद भी देश के कई हिस्सों से लगातार विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की खबरें सामने आई हैं। देश के बड़े कोचिंग सेंटर कोटा से भी वर्ष दर वर्ष विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की घटनाएं हो रही हैं। ये अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटनाएं हैं, जिन पर समाज और सरकारों- दोनों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके साथ ही पिछले कई वर्षों में हम यह भी देख रहे हैं कि विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लोक हो जाते हैं। ऐसे पेपर लोक अक्सर धनबल और मिलीभगत के जरिए संभव होते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे उनके भीतर अनिश्चिता और तनाव बढ़ जाता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पिछले दस वर्षों में लगभग ९० परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लोक हो चुके हैं। विद्यार्थी कड़ी मेहनत करते हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने की उम्मीद से परीक्षाओं में बैठते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में परिवार भी बराबर का भागीदार होता है, क्योंकि माता-पिता भी चाहते हैं कि उनके बच्चे बेहतर उच्च शिक्षा प्राप्त करें। अनेक विद्यार्थी एक ही परीक्षा तीन-चार बार तक देते हैं, इस उम्मीद में कि किसी प्रयास में बेहतर अंक प्राप्त कर उनके मनचाहे संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा। जब प्रश्नपत्र लोक होते हैं तो विद्यार्थियों में गुस्सा, निराशा और असहायता की भावना पैदा होती है। यह समझना कठिन नहीं है कि किसी विद्यार्थी के एक परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने की कोई गारंटी नहीं होती कि वह दोबारा परीक्षा में भी वैसा ही प्रदर्शन कर सकेगा। कम उम्र में कई विद्यार्थी इस मानसिक दबाव को सहन नहीं कर पाते और कुछ आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं, जिससे परिवार और समाज दोनों को गहरा आघात पहुंचता है। वर्तमान में कई स्कूलों में दसवीं कक्षा के बाद की पढ़ाई लगभग औपचारिकता बनकर रह गई है। विद्यार्थियों को कोचिंग संस्थानों में भेज दिया जाता है, जहां उन्हें केवल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। कई मामलों में स्कूल स्वयं विद्यार्थियों को कोचिंग में जाने के लिए प्रेरित करते हैं और अपनी शैक्षणिक जिम्मेदारियों से लगभग हाथ खींच लेते हैं। कुछ स्कूल तो विद्यार्थियों की उपस्थिति भी औपचारिक रूप से दर्ज कर देते हैं। स्कूली शिक्षा में शिक्षकों के साथ संवाद, चर्चा और विद्यार्थियों के बौद्धिक दायरे का विस्तार शामिल होता है, जो उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके विपरीत कोचिंग संस्थानों का मुख्य उद्देश्य प्रवेश परीक्षा के प्रश्न हल कराना और याद रखने की तकनीक सिखाना होता है। विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि जीवन का एकमात्र लक्ष्य किसी भी तरह प्रवेश प्राप्त करना है, जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक, ज्ञानवान व्यक्ति, व्यापक दृष्टिकोण वाले विचारक और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील इंसान तैयार करना है। कोचिंग संस्थानों पर भारी खर्च आता है, जिसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग वहन नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप उनके बच्चे प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह भी अक्सर सुनने में आता है कि कई कोचिंग संस्थान स्वयं ऐसे विद्यार्थियों का चयन करते हैं जिनसे बेहतर परिणाम की उम्मीद होती है और फिर उन्हें विशेष सुविधा प्रदान करते हैं। इससे कम उम्र में ही भेदभाव की भावना विकसित होने लगती है। मौजूदा परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों की वास्तविक प्रतिभा का सही आकलन नहीं कर सकती। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि विद्यार्थियों के मूल्यांकन की अधिक न्यायसंगत व्यवस्था क्या हो सकती है ? पहले पेशेवर महाविद्यालयों में प्रवेश मुख्यतः बारहवीं कक्षा के अंकों के आधार पर होता था। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अंकों पर भी सिफारिशों और अन्य दबावों का प्रभाव पड़ता है। यहां तक कि प्रायोगिक परीक्षाएं भी ऐसे प्रभावों से पूरी तरह मुक्त नहीं हैं। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद से शिक्षा व्यवस्था में संपन्न वर्गों के हितों को अधिक महत्व दिए जाने और असमानताओं को बढ़ावा मिलने की आशंकाएं भी लगातार व्यक्त की जाती रही हैं।

पैसा देंगे गाड़ीवाले तो पैदल वालों को कौन पूछे ?

कार वालों और दूसरे वाहन वालों का नजरिया भी सड़क पर होने वाली इन मौत के आंकड़ों से झलकता है। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस साहब ही नहीं आम लोगों को कारोचक समझने वालों की पूरी फौज है जिसका आचरण भी इन आंकड़ों के जरिए समझ आता है। सड़क सुरक्षा का खयाल रखना सरकार का काम है लेकिन हमारी जिम्मेदारी उससे खत्म नहीं होती। पैदल अगर हमारे मुहावरों और लोकोक्तियों तक में कमजोर और घंटिया जैसे अर्थों में आ गया है तब सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैदल चलने को मौलिक अधिकार घोषित करना और आने-जाने की आजादी से जोड़ना काफी महत्व का है। अब इसका व्यावहारिक अर्थ क्या निकलता है और सरकार की नीतियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है इस बारे में अभी कुछ भी कहना मुश्किल है ? क्योंकि अदालत ने भले एक पांच साल के बच्चे की मौत के सवाल को यहां तक पहुंचाया है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों के मारे जाने के जो आंकड़े खुद सरकार के दस्तावेज बताते हैं उनके अनुसार ज्यादातर दुर्घटनाएं सड़क सुरक्षा संबंधी कार्रवे कानून के न लागू हो पाते के चलते हैं। और ये आंकड़े डराने हैं- पांच साल में 1.8 लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में ज़ान गंवा चुके हैं। आंकड़े २०१९ से २०२४ के बीच के हैं और २०२४ में ३६३२६ लोगों के मरने की बात सरकार ही स्वीकारती है। इसे थोड़ा और सरल करना चाहें तो प्रति १५ मिनट में किसी न किसी की जान जाने का अनुमान सामने आएगा। इसमें भी कथित राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरने वाले सबसे ज्यादा हैं और देहात में कम। जरा और भी बारीकी में जाएंगे तो समझ आएगा कि सबसे ज्यादा सुरक्षित सफर विमान यात्रा है और सबसे अशुर्कशित पैदल और उसके बाद साइकिल की सवारी है। पूरी इंदियों के सचेत रहते और गियर-ब्रेक का संचालन सीधे दिमाग से होने के बावजूद हजारों लोगों का दिमाग सड़क पर करते समय काम नहीं कर पाता। तभी उनकी मौत आती है। आखिर खुद से कौन मारना चाहता होगा। वैसे आधुनिक सड़कों का लोकतंत्र भी अद्भुत है- इसमें बीच की जगह तो सबसे तेज और आरामदायक वाहनों के लिए छरिजर्वड़ है। रिक्षा और टैक्मट का नंबर उससे किनारे और पैदल वालों का सबसे किनारे जहां पैर रखने का व्यवस्थित इंतजाम ही नहीं रहता। और जहां इंतजाम होता है बेकार और भूखे लोगों की जमात वहां दुकान लगाने पहुंच जाती है। अगर बुलडोजर चलता भी है तो फूटपाथ सफाई के नाम पर। आज पीपीपी माडल में जो सड़कें बन रही हैं, जिनका जोर उद्योक्तिकरण वाले दौर में और अटल जी की सरकार के समय से ज्यादा बढ़ा है, उनमें फुटपाथ नामक चीज है ही नहीं। फ्लाईओवर और डबल-ट्रिपल डेकर सड़कों पर तो पैदल ही क्यों साइकिल और मोटरसाइकिल की भी मनाही है। सरकारी आंकड़े ही बताते हैं कि पैदल चलने वालों की मौत के ३० फीसदी नेशनल हाईवे पर हुई दुर्घटनाओं के हैं, चलने के चलते कम, सड़क पार करने के क्रम में अधिक। ये हाइवे भी कमाल की चीज हैं और इनके कार्यव्यापार पर अदालत और प्रबुद्ध समाज की नजर नहीं जाती। इसमें उन सभी वाहनो से सड़क पर चलने का मोटा भाड़ा वसूला जाता है जो खरीद के समय ही काफी मोटी रकम रोड टैक्स के रूप में चुका चुकी होती हैं। जगह-जगह स्थानीय ग्रामीण समाज से तो टोल के विरोध की खबर आती है लेकिन फराटें भरने वाले उच्च और मध्यवर्गीय कार वालों से कभी कोई शिकायत नहीं आती। यह जमात धूमंद्लीकरण के दौर में ज्यादा तेजी से बढ़ा हुआ है लेकिन कुल आबादी का बहुत छोटा हिस्सा है। और इसकी मर्दानगी या न्यायप्रियता का अंदाज़ तब लगा जा सकता है एक साथ लाखों गाड़ियों को प्रहसन के नाम पर रूक कर दिया। इनमें वे गाड़ियां भी थीं जिनके रोड टैक्स अगले कई साल के लिए सरकार ने वसूल रखे थे। पर शायद ही कहीं से चूँ की आवाज आई या इन्हीं अदालतों ने सुगबुगाहट दिखाई।

विचारमंथन

बदलते मौसम का बढ़ता जोखिम

अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है। कहीं अचानक बादल फटने की घटनाएँ होती हैं, कहीं तेज हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज केवल वैज्ञानिक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय चिंता का प्रश्न भी बन चुके हैं। वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि मौसम की पारंपरिक प्रकृति में परिवर्तन आ रहा है। पहले जहाँ वर्षा अपेक्षाकृत नियमित और संतुलित होती थी, वहीं अब लंबे समय तक सूखा रहने के बाद अचानक अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इसी प्रकार गरज-चमक वाले तूफानों और आकाशीय बिजली की घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने वायुमंडल की संरचना और व्यवहार को प्रभावित किया है। वातावरण में अधिक ऊर्जा और अधिक नमी उपलब्ध होने के कारण मौसमीय घटनाएँ अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं।



मौ रत में मानसून केवल एक ऋतु नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, जल-संसाधनों और जनजीवन की धुरी है। सदियों से मानसून को जीवनदायी माना जाता रहा है क्योंकि इसकी वर्षा खेतों को हरियाली देती है, नदियों और जलशायों को भरती है तथा भीषण गर्मी से राहत प्रदान करती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मानसून का स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है। कहीं अचानक बादल फटने की घटनाएँ होती हैं, कहीं तेज हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज के वेल वैज्ञानिक अध्ययन

का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय चिंता का प्रश्न भी बन चुके हैं। वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि मौसम की पारंपरिक प्रकृति में परिवर्तन आ रहा है। पहले जहाँ वर्षा अपेक्षाकृत नियमित और संतुलित होती थी, वहीं अब लंबे समय तक सूखा रहने के बाद अचानक अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इसी प्रकार गरज-चमक वाले तूफानों और आकाशीय बिजली की घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने वायुमंडल की संरचना और व्यवहार को प्रभावित किया है। वातावरण में अधिक ऊर्जा और अधिक नमी उपलब्ध होने के कारण मौसमीय घटनाएँ अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं। इसका सीधा असर मानव जीवन, कृषि, बुनियादी ढाँचे और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है। आकाशीय बिजली उन प्राकृतिक घटनाओं में से एक है जो हर वर्ष हजारों लोगों को प्रभावित करती है। भारत में बिजली



मौ नुष्य का स्वभाव बड़ा विचित्र है। जब जीवन में कोई छोटी-बड़ी परेशानी आती है तो वह अक्सर यह सोचकर दुखी हो जाता है कि संसार का सबसे बड़ा दु:ख उसी के हिस्से में आया है। उसे लगता है कि ईश्वर ने उसके साथ ही अन्याय किया है। किंतु जब वह अपने आसपास की दुनिया को देखता है, जब वह उन लोगों के जीवन में झाँकता है जो उससे कहीं अधिक कष्टमं परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, तब उसे एहसास होता है कि ईश्वर की कृपा उस पर अपेक्षाकृत अधिक रही है। जीवन का यही सत्य हमें विनम्र बनाता है। अपनी पीड़ा बड़ी लगती है, लेकिन दुनिया में ऐसी अनगिनत घटनाएँ घटती हैं जो मानव हृदय को झकझोर देती हैं। कई बार ऐसे दृश्य सामने आते हैं जिन्हें देखकर मन प्रश्न करता है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ ? क्या वास्तव में प्रकृति इतनी कठोर हो गई और

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है, जहाँ शासन व्यवस्था संविधान के अनुसार संचालित होती है। संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के लोकतांत्रिक चरित्र, नागरिक अधिकारों और संस्थागत मर्यादाओं का आधार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे जनता के विश्वास का प्रतिनिधित्व करते हैं और संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करने के लिए विधिवत शपथ लेते हैं। हाल ही में केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा कानून में निर्धारित प्रारूप से हटकर देवी-देवताओं अथवा अन्य व्यक्तियों के नाम पर ली गई शपथ वैध नहीं मानी जा सकती है।

गिरने से होने वाली मौतों की संख्या कई अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक रहती है। विशेष चिंता का विषय यह है कि अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं। किसान, खेतिहर मजदूर, पशुपालक और निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक मौसम के इन खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। जब अचानक बादल धिरते हैं और गरज-चमक शुरू होती है, तब कई लोग खतरों की गंभीरता को नहीं समझ पाते और खुले स्थानों पर ही बने रहते हैं। परिणामस्वरूप आकाशीय बिजली की चपेट में आकर अनेक लोगों की जान चली जाती है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो आकाशीय बिजली का निर्माण वायुमंडल में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं का परिणाम है। जब धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है और उसके ऊपर की परतों में अपेक्षाकृत ठंडी हवा मौजूद रहती है, तब गर्म और नम हवा तेजी से ऊपर उठने लगती है। यह प्रक्रिया संवहन कहलाती है। ऊपर उठती हुई हवा ठंडी होकर संचनित होती है और बादलों का निर्माण करती है। यदि वातावरण में पर्याप्त नमी और ऊर्जा मौजूद हो, तो ये बादल विशाल क्यूम्यूलोनिम्बस बादलों का रूप ले लेते हैं। इन्हीं बादलों में पानी की बूंदें, बर्फ के कणों और ओलों के बीच होने वाली टक्करों से विद्युत आवेश उत्पन्न होते हैं। जब आवेशों का असंतुलन अत्यधिक बढ़ जाता है, तब बिजली चमकती है और धरती तथा बादलों के बीच विद्युत निर्वहन होता है। मानसून के दौरान समुद्रों से आने वाली नम हवाएँ भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्सों में पहुँचती हैं। ये हवाएँ बड़ी मात्रा में जलवाष्प लेकर आती हैं, जो बादलों के निर्माण और वर्षा के लिए आवश्यक होती है। लेकिन यही नमी जब अत्यधिक गर्म वातावरण में मिलती है, तो शक्तिशाली तूफानों का निर्माण भी कर सकती है। नमी और तापमान का यह संयोजन मौसमीय अस्थिरता को बढ़ाता है। यही कारण है कि मानसून के महीनों में गरज-

किंतु जब वह अपने आसपास की दुनिया को देखता है, जब वह उन लोगों के जीवन में झाँकता है जो उससे कहीं अधिक कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, तब उसे एहसास होता है कि ईश्वर की कृपा उस पर अपेक्षाकृत अधिक रही है। जीवन का यही सत्य हमें विनम्र बनाता है। अपनी पीड़ा बड़ी लगती है, लेकिन दुनिया में ऐसी अनगिनत घटनाएँ घटती हैं जो मानव हृदय को झकझोर देती हैं। कई बार ऐसे दृश्य सामने आते हैं जिन्हें देखकर मन प्रश्न करता है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ ? क्या वास्तव में प्रकृति इतनी कठोर हो सकती है ? क्या निर्दोष लोगों का इतना बड़ा दु:ख किसी नियति का हिस्सा हो सकता है ? आज ऐसा ही प्रश्न वेनेजुएला के लाखों लोग ईश्वर से पूछ रहे होंगे। दक्षिण अमेरिका का यह देश लंबे समय से आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करता रहा है, लेकिन प्रकृति के प्रकोप के सामने कोई भी तैयारी पर्याप्त नहीं होती। राजधानी काराकस में जब लोग अपने दैनिक कार्यों से लौट रहे थे, परिवारों से मिलने के पतों की तरह ढह गई, सड़कें फट गई, संचार व्यवस्था टूट हो गई और

देखते ही देखते पूरा क्षेत्र चीख-पुकार से भर गया। जो लोग कुछ क्षण पहले अपने भविष्य की योजनाएं बना रहे थे, वे अचानक जीवन और मृत्यु के संघर्ष में फंस गए। प्राकृतिक आपदाएं केवल भवनों को नहीं गिराती, वे सपनों को भी तोड़ देती हैं। किसी का पिता चला जाता है, किसी की मां, किसी का बेटा, किसी की बेटी। एक ही क्षण में वर्षों की मेहनत और उम्मीदें मलबे में बदल जाती हैं। ऐसे समय में आंकड़ें केवल संख्या बनकर रह जाते हैं। समाचारों में हजारों मृतकों का उल्लेख किया जाता है, लेकिन प्रत्येक संख्या के पीछे एक पूरा जीवन, एक पूरा परिवार और अनगिनत यादें होती हैं। वेनेजुएला की इस त्रासदी ने पूरी दुनिया को यह याद दिलाया है कि विज्ञान और तकनीक का अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद मनुष्य अभी भी प्रकृति के सामने सीमित है। हमने अंतर्दृक्ष तक पहुंच बना ली, कुत्रिम बुद्धिमता विकसित कर ली,

पर सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि शपथ का प्रारूप कानून द्वारा निर्धारित है और उसमें मनमाने ढंग से परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। लोकतंत्र में शपथ केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं होती है। यह निर्वाचित प्रतिनिधियों और संविधान के बीच एक नैतिक तथा कानूनी अनुबंध का प्रतीक होती है। जब कोई जनप्रतिनिधि शपथ लेता है, तो वह यह वचन देता है कि वह संविधान का सम्मान करेगा, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करेगा और कानून के दायरे में रहकर जनता की सेवा करेगा। यदि शपथ के प्रारूप में व्यक्ति अपनी पसंद के अनुसार बदलाव करने लगे, तो यह संवैधानिक प्रक्रिया की एकरूपता और वैधानिकता को प्रभावित कर



चमक और बिजली गिरने की घटनाएँ अधिक होती हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे वायुमंडल अधिक नमी धारण करेगा और इस प्रकार की घटनाओं की संभावना भी बढ़ती जाएगी। जलवायु परिवर्तन से विद्युत आवेश उत्पन्न होते हैं। औद्योगीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और अनियंत्रित शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। तापमान में यह वृद्धि केवल गर्मी बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे मौसम तंत्र को प्रभावित कर रही है। गर्म वातावरण अधिक नमी धारण करता है, जिससे तीव्र वर्षा और गरज-चमक वाले तूफानों की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि आज मौसम पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और चरम दिखाई देता है। शहरीकरण भी मौसमीय जोखिमों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा

रहा है। बड़े शहरों में कंक्रीट, डामर और भवनों की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है। इससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो जाता है। गर्म सतहें हवा को तेजी से ऊपर उठने के लिए प्रेरित करती हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर बादलों और तूफानों के निर्माण की संभावना बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त, शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण भारी वर्षा होने पर जलभराव और बाढ़ जैसी समस्याएँ भी गंभीर रूप धारण कर लेती हैं। भारत की भौगोलिक विविधता भी मौसमीय घटनाओं को प्रभावित करती है। हिमालयी क्षेत्रों में पर्वतों के कारण हवा तेजी से ऊपर उठती है, जिससे बादलों का निर्माण अधिक होता है। पूर्वोत्तर भारत में अत्यधिक नमी और पर्वतीय भूभाग मिलकर तीव्र वर्षा की परिस्थितियाँ उत्पन्न करते हैं। मध्य भारत और गंगा के मैदानी क्षेत्रों में गर्मी और नमी का संयोजन गरज-चमक वाले तूफानों को जन्म देता है।

अपेक्षाकृत कम होती है। यह दिखाता है कि प्रकृति को रोकना नहीं जा सकता, लेकिन उसके प्रभाव को सीमित अवश्य किया जा सकता है। वेनेजुएला की इस त्रासदी के बीच एक और ऐतिहासिक स्मृति आज भारतीयों के मन में ताजा हो जाती है। यह स्मृति प्रकृति द्वारा नहीं, बल्कि सत्ता द्वारा दिए गए घाव की है। आज का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐसे अध्याय की याद दिलाता है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। लगभग पांच दशक पहले इसी दिन देश पर आपातकाल थोपा गया था। यह वह समय था जब लोकतंत्र की आत्मा को केद करने का प्रयास किया गया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी गई, विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया गया, समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लगा दी गई और नागरिक अधिकारों पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए। भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के

संगठन, राजनीतिक आंदोलन या अन्य व्यक्तियों का नाम जोड़ने की अनुमति कानूनों में नहीं दी गई है। भारत का संविधान देश को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह नहीं कि धर्म का विरोध किया जाए, बल्कि इसका अर्थ है कि राज्य सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखे। यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अलग-अलग देवी-देवताओं या धार्मिक प्रतीकों के नाम पर शपथ लेने की छूट दी जाए, तो इससे राज्य की धर्मनिरपेक्ष छवि प्रभावित हो सकती है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति किसी विशेष देवी के नाम पर शपथ ले, दूसरा किसी संत के नाम पर, तीसरा किसी धार्मिक ग्रंथ के नाम पर और चौथा किसी राजनीतिक नेता के नाम पर। ऐसी स्थिति में शपथ की संवैधानिक एकरूपता



महासागरों की गहराइयों को माप लिया, लेकिन धरती के भीतर छिपी ऊर्जा का संपूर्ण अनुमान आज भी संभव नहीं है। यह घटना मानव सभ्यता के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी है। आधुनिक शहरों का विकास जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक है आपदा प्रबंधन की मजबूत व्यवस्था। भूकंपरोधी निर्माण, त्वरित राहत तंत्र, प्रभावी चेतावनी प्रणाली और नागरिकों में जागरूकता ऐसी आपदाओं के प्रभाव को कम कर सकती है। विकास केवल ऊँची इमारतों का नाम नहीं है; विकास वह क्षमता है जिससे समाज संकट की घड़ी में स्वयं को संभाल सके। दुनिया के अनेक देशों ने प्राकृतिक आपदाओं से सीखकर अपनी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाया है। जापान इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। वहां भूकंप अक्सर आते हैं, लेकिन सुदृढ़ तकनीक और अनुशासित नागरिक व्यवस्था के कारण जनहानि

संगठन, राजनीतिक आंदोलन या अन्य व्यक्तियों का नाम जोड़ने की अनुमति कानूनों में नहीं दी गई है। भारत का संविधान देश को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ यह नहीं कि धर्म का विरोध किया जाए, बल्कि इसका अर्थ है कि राज्य सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखे। यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी-अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अलग-अलग देवी-देवताओं या धार्मिक प्रतीकों के नाम पर शपथ लेने की छूट दी जाए, तो इससे राज्य की धर्मनिरपेक्ष छवि प्रभावित हो सकती है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति किसी विशेष देवी के नाम पर शपथ ले, दूसरा किसी संत के नाम पर, तीसरा किसी धार्मिक ग्रंथ के नाम पर और चौथा किसी राजनीतिक नेता के नाम पर। ऐसी स्थिति में शपथ की संवैधानिक एकरूपता

</

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक ने परिजनों से मिलकर

जताया न्याय का भरोसा

शाहपुर। शाहपुर के भरत भूषण तिवारी इनकाउटर प्रकरण मामले की जांच को सही ठहराया। पूर्व विधायक ने कहा कि न्याय मिलेगा। सीएम सभाउ चौधरी द्वारा दिए गए जांच की सरहना की। इस्को लेकर सीएम को धन्यवाद दिया है। बिधायक ने कहा कि न्याय जरूर मिलेगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री नागमणि द्वारा दिए गये सवाल पर कहा कि जादेव बाबू के संपूर्त के कपूत है। नागमणि के पिता को खुद पुलिस हत्या किए थे। जो थाने में पानी के बिना तड़प रहे थे। उनके पुत्र का बयान शर्मनाक है। पूर्व सीएम जीवन राम मांझी पर कहा कि वह दलित शोषितो की राजनीति नहीं करते सिर्फं मलाई की राजनीति करते हैं जहां मिले।

सामाजिक कार्यकर्ता ज्योति सिंह का निधन, शोक में डूबा क्षेत्र

जगदीशपुर। जगदीशपुर प्रखंड की बसावना पंचायत अंतर्गत बसावना गाँव निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता ज्योति सिंह का हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। अपने मिलनसार व्यक्तित्व और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण के कारण ज्योति सिंह स्थानीय लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय थे। उनके असमय चले जाने से परिजनों के साथ-साथ पूरे सामाजिक और शिक्षक समुदाय में गहरा सन्नाटा पसर गया है। दिवंगत ज्योति सिंह के निधन की खबर मिलते ही शिक्षा जगत और सामाजिक कार्यकर्ताओं का हुजूम उनके पैतृक आवास पर उमड़ पड़ा। शिक्षक संघ के सदस्यों ने उनके आवास पर पहुँचकर दो मिन्ट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मौजूद लोगों की आँखें नम थीं। शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु ने दुख व्यक्त करते हुए बताया कि ज्योति सिंह प्राथमिक विद्यालय, बचरी जगदीशपुर पश्चिमी में कार्यरत शिक्षक रघुवर सिंह के अजुय थे। उन्होंने कहा कि ज्योति सिंह का जाना समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। परिवार पर टूटा दुखों का भाड़-ज्योति सिंह के असामयिक निधन ने एक हसंते-खेलते परिवार को झकझोर कर रख दिया है। उनके निधन से पूरा परिवार पूरी तरह से टूट चुका है। ज्योति सिंह अपने पोछे दो पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं, जिनके सिर से पिता का साया उठ गया है। दुखद तबूज यह भी है कि उनसे पिता की तबीयत पहले से ही काफी खराब चल रही थी, और पुत्र के निधन के सदमे ने परिवार की स्थिति को और अधिक नाजुक बना दिया है। गणमान्य व्यक्तियों ने दी श्रद्धांजलि--- श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु, जिला सचिव उम्रेश कुमार सिंह, प्रखंड अध्यक्ष किंग अभिषेक क्षत्रप, शिक्षक जयप्रकाश ठाकुर, संयोजक सत्येन्द्र कुमार, नगर अध्यक्ष सुनील कुमार, जगदीशपुर महासचिव चन्द्रदेव कुमार सिंह एवं उपाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह शामिल रहे। इसके अलावा शिक्षक अजय कुमार सिंह, जयप्रकाश कश्यप, रमेश कुमार, सरोज कुमार, सुनील कुमार, रमेश कुमार सिंह, रामजी यादव, सुनील कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, उदय कुमार सहित इलाके के दर्जनों शिक्षक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने शोक संतप्त परिवार को सात्वा दी और ईश्वर से इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

बिशेन टोला परिवार की अद्भुत ताजिया बनी आकर्षण का केंद्र

जगदीशपुर। भोजपुर जिले के जगदीशपुर में मोहर्रम का पर्व के वल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और बेजोड़ कलाकारी का संगम भी होता है। नगर के बिशेन टोला निवासी एक परिवार की ओर से तैयार की जाने वाली ताजिया इस साल भी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। अपनी अनूटी थीम और शानदार डिजाइन के लिए प्रसिद्ध यह ताजिया हर बार लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती है। हर साल नया प्रयोग, हर बार नया अंदाज-बिशेन टोला परिवार की विश्वेशता यह है कि वे लोक से हटकर कुछ अलग करने की कोशिश करते हैं। हर साल किसी नई और अद्भुत थीम पर आधारित ताजिया का निर्माण करना इनकी पहचान बन गई है। परिवार के इन रचनात्मक प्रयोगों ने न केवल स्थानीय लोगों का दिल जीता है, बल्कि कई बार प्रथम पुरस्कार भी हासिल किया है। बुर्ज खलीफा की प्रतिकृति: दुबई के गगनचुंबी बुर्ज खलीफा की आकृति वाली ताजिया ने लोगों को हतप्रभ कर दिया था। इसकी बनावट इतनी सटीक थी कि लोग इसे देखते ही रह गए। 15 लाख मोतियों का चमत्कार:- अलादीन के चिरागह्व थीम पर बनी ताजिया में 15 लाख से अधिक मोतियों का इस्तेमाल किया गया था, जो अपनी चमक और कलाकारी से आकर्षण का केंद्र बनी। राष्ट्रीयता और संस्कृति का मेल:- इससे पहले यह परिवार भारत के नक्शे और सुराही के आकार पर आधारित त उत्कृष्ट ताजिया भी बना चुका है, जो इनकी कलात्मक सोच को दर्शाता है।

बदल रहा है पश्चिम बंगाल का डेमोग्राफी: अर्जुन सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। शहर के होटल आरा ग्रांड में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार के परिवहन व श्रम मंत्री का का अभिनंदन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज एवं संचालन यशवंत कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर व्यावसायी के जितेंद्र सिंह ने पश्चिम बंगाल के परिवहन सह श्रम मंत्री मंत्री अर्जुन सिंह को पगड़ी और तलवार भेंट कर सम्मानित किया। स्वागत से अभिभूत पश्चिम बंगाल के परिवहन सह श्रम मंत्री अर्जुन सिंह ने कहा कि आज से 140 वर्ष पहले भोजपुर से हम लोगों का परिवार रोजी-रोटी के लिए पश्चिम बंगाल गया था। पिता के समय से परिवार राजनीति में प्रवेश किया। मेरे पिता तीन बार विधायक रहे। मैं भी चार बार विधायक रहा। पाँचवीं बार सरकार में मंत्री बना। मेरा पुत्र भी तीन बार विधायक और एक बार एमपी रहा है। अपनी मिट्टी पर आने से आनंद की अनुभूति



मिलती है, उन्होंने कहा कि बंगाल का डेमोग्राफी बदल रहा है। बंगाल के सनातनी बंगाली यह जान चुके थे कि इस बार चुनाव में अगर बीजेपी जीत हासिल नहीं करती है, तो बंगाल का इस्लामीकरण हो जाएगा। बंगाल दूसरा बांग्लादेश बन जाएगा। इसके लिए लोगों ने व्यापक समर्थन दिया। तब जाकर भाजपा 208 सीट लेकर बंगाल में सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि अभी भी बंगाल 49 साल पीछे हैं। हमारे मुख्यमंत्री शुवंदु अधिकारी उसे पटरी पर लाने के लिए कठिन परिश्रम कर रहे हैं। बंगाल के मुख्यमंत्री स्पीड से काम कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि

समर्थ पोर्टल से वीकेएसयू को झटका अब खुद तैयार करनी होगी मेधा सूची

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में स्नातक सत्र 2026झ30 के प्रथम सेमेस्टर में नामांकन प्रक्रिया एक बार फिर अनिश्चितता के दौर में पहुंच गई है। दिल्ली स्थित समर्थ पोर्टल की ओर से समय पर पहली मेधा सूची जारी नहीं किए जाने के कारण विश्वविद्यालय प्रशासन और नामांकन समिति की चिंता बढ़ गई है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहली मेधा सूची 25 जून को प्रकाशित होनी थी, लेकिन तकनीकी एवं प्रशासनिक कारणों से यह संभव नहीं हो सका। समर्थ पोर्टल की टीम ने विश्वविद्यालय को सूझाव दिया है कि वह स्वयं मेधा सूची तैयार कर 29 जून तक पोर्टल पर उपलब्ध करा दे। इसके बाद समर्थ पोर्टल उसी सूची को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर जारी करेगा। इससे विश्वविद्यालय के सामने सीमित संसाधनों में कम समय के भीतर पूरी मेधा सूची तैयार करने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। वीकेएसयू के नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय राज कुमावत के अनुसार, विश्वविद्यालय की ओर से सीट मैट्रिक्स और आवेदकों का पूरा डेटा समय पर समर्थ पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया था। पोर्टल की टीम ने पहले 25 जून को सूची जारी करने का भरोसा भी दिया था, लेकिन बाद में सूचना दी गई कि निर्धारित समय से पहले सूची जारी करना संभव नहीं होगा। उधर, राज्य सरकार ने 1 जुलाई से स्नातक के नए शैक्षणिक सत्र की कक्षाएं शुरू करने की घोषणा की है। ऐसे में यदि मेधा सूची जारी होने में और विलंब होता है तो नामांकन प्रक्रिया के साथ-साथ पूरा शैक्षणिक कैलेंडर भी प्रभावित होने की आशंका है। विश्वविद्यालय प्रशासन अब वैकल्पिक व्यवस्था के तहत स्वयं मेधा सूची तैयार करने की दिशा में विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यदि आवश्यकता पड़ी तो किसी तकनीकी एजेंसी की सहायता लेकर भी मेधा सूची तैयार कराई जा सकती है। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर आवश्यक प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। समय पर सूची जारी होने की स्थिति में नामांकन प्रक्रिया शुरू कर नए सत्र को निर्धारित समय पर संचालित करने में सुविधा मिलेगी। फिलहाल विश्वविद्यालय प्रशासन और नामांकन समिति की निगाहें मेधा सूची के शीघ्र प्रकाशन पर टिकी हुई हैं, ताकि छात्रों को अनावश्यक परेशानों का सामना न करना पड़े।

पेड़ से गिरकर युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

इलाज के दौरान शहर के निजी अस्पताल में तोड़ा दम

● मुफफसिल थाना क्षेत्र के बड़की सनदिया गांव में शुक्रवार की सुबह घटी घटना

प्रात : किरण संवाददाता

बिशेन टोला परिवार की अद्भुत ताजिया बनी आकर्षण का केंद्र

जगदीशपुर। भोजपुर जिले के जगदीशपुर में मोहर्रम का पर्व के वल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और बेजोड़ कलाकारी का संगम भी होता है। नगर के बिशेन टोला निवासी एक परिवार की ओर से तैयार की जाने वाली ताजिया इस साल भी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। अपनी अनूटी थीम और शानदार डिजाइन के लिए प्रसिद्ध यह ताजिया हर बार लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती है। हर साल नया प्रयोग, हर बार नया अंदाज-बिशेन टोला परिवार की विश्वेशता यह है कि वे लोक से हटकर कुछ अलग करने की कोशिश करते हैं। हर साल किसी नई और अद्भुत थीम पर आधारित ताजिया का निर्माण करना इनकी पहचान बन गई है। परिवार के इन रचनात्मक प्रयोगों ने न केवल स्थानीय लोगों का दिल जीता है, बल्कि कई बार प्रथम पुरस्कार भी हासिल किया है। बुर्ज खलीफा की प्रतिकृति: दुबई के गगनचुंबी बुर्ज खलीफा की आकृति वाली ताजिया ने लोगों को हतप्रभ कर दिया था। इसकी बनावट इतनी सटीक थी कि लोग इसे देखते ही रह गए। 15 लाख मोतियों का चमत्कार:- अलादीन के चिरागह्व थीम पर बनी ताजिया में 15 लाख से अधिक मोतियों का इस्तेमाल किया गया था, जो अपनी चमक और कलाकारी से आकर्षण का केंद्र बनी। राष्ट्रीयता और संस्कृति का मेल:- इससे पहले यह परिवार भारत के नक्शे और सुराही के आकार पर आधारित त उत्कृष्ट ताजिया भी बना चुका है, जो इनकी कलात्मक सोच को दर्शाता है।

दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक मुफरिसल थाना क्षेत्र के बड़की सनदिया गांव निवासी दामोदर पासवान का 35 वर्षीय पुत्र अमरेंद्र पासवान है। वह नोएडा में रहकर काम करता था। बताया जाता है कि कुछदिन पहले उसके बड़े भाई की बहू का देहांत हो गया था। उसी के पुछार में वह नोएडा से वापस गांव लौटा था। गुरुवार की सुबह वह दातुन

तोड़ने के लिए गांव के ही बगीचे में नीम के पेड़ पर चढ़ा हुआ था। पेड़ से सटे 11 हजार का बिजली का तार गुजरा था। दातुन तोड़ने के दौरान बिजली के करंट से झटका खाकर वह पेड़ से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया था।

लेकिन परिजन उसकी स्थिति को देखते हुए शहर की निजी अस्पताल में ले गए। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उसके परिवार में पत्नी उर्मिला देवी व दो पुत्र नवीन आर्यन, अंकित कुमार एवं एक पुत्री काजल कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया। उसकी पत्नी उर्मिला देवी का निर्देश दिया गया था। लेकिन अपरिहार्य कारणों से उक्त पत्र को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।उच्च शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि

11 हजार बिजली तार की चपेट में आने से किशोर की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

शाहपुर। थाना क्षेत्र के बरिसवन गांव में शुक्रवार की सुबह 11 हजार बिजली तार की चपेट में आने से किशोर की मौत हो गई। मृतक बरिसवन गांव निवासी आयुष कुमार तिवारी 16 वर्ष पिता रामजी तिवारी हैं। घाटना के संबंध में बताया जाता है कि उनके खेत से 11 हजार विद्युत तार गुजरा है। तार इतने जर्जर था कि लूज पुज

लटका रहा था। जिस धारा प्रवाहित तार टकराने से कदम के पकड़ में आ गया। पेंड को जैसे पकड़ा किशोर चपेट में आया तथा मौत हो गई। मौत की घाटना की खबर जैसे ही मिली परिजनों लोगों में शोक का लहर दौड़ पड़ी। घाटना बिद्युत विभाग की लचर व्यवस्था के कारण घटित होने की बात बताई जाती है। परिजनों ने विभाग से कई बार लूज पुज तार को बदलने के लिए अपसरो से पहल की गई। पर विभाग कान में दल डालकर आराम फरमा रहा है। लचर व्यवस्था को जांच पड़ताल कर दीषी के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। किशोर के परिवार अत्यंत गरीब है। तथा पिता विकलांग है। आयुष ही घर एक अच्छा तेज तर्रार ईसान किशोर था। दो भाई में बड़ा था। खबर की सुचना मिलने पर कांतिर प्रखंड अध्यक्ष टप्पु तिवारी ने परिजनों से मिलकर इस दुख की घडी में ढहांस बांधा। तथा परिजनों को मुआवजा दिलाने की मांग जिला प्रशासन से की है।

बीएड द्वितीय वर्ष का रिजल्ट जारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने बीएड सत्र 2024-26 के द्वितीय वर्ष (फाइनल वर्ष) का परीक्षा परिणाम ऑनलाइन जारी कर दिया है। परीक्षा में शामिल सभी छात्र-छात्राएं अब विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख और डाउनलोड कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि विद्यार्थियों को अपने रोल नंबर अथवा पंजीकरण संख्या की सहायता से पोर्टल पर लॉगिन कर परिणाम प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। रिजल्ट जारी होने के बाद विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है। लंबे समय से परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को अब राहत मिली है। विश्वविद्यालय ने छात्रों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें तथा किसी भी तकनीकी समस्या की स्थिति में संबंधित महाविद्यालय या विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग से संपर्क करें। विश्वविद्यालय के अनुसार, परिणाम जारी होने के साथ ही अंकेयत्र डाउनलोड करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जिन छात्रों को अपने परिणाम में किसी प्रकार की त्रुटि दिखाई देती है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर उसका निराकरण करा सकते हैं।

जिन गुंडो ने निरीह लोगों को सताया है। पुलिस उनकी ही क्लास लगा रही है।। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गारंज, भाजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष, राणा प्रताप सिंह, हरेंद्र पांडेय, राजेंद्र तिवारी, कोशल विद्यार्थी हिन्दू जागरण मंच के सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा, रामनवमी शोभा समिति के शंभू चौरसिया, व्यावसायी उमेश बेरिया, रविन्द्र सिंह आदि ने अपना वक्तव्य दिया। समारोह के दौरान सभी मंचासीन लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर क्षत्रिय कल्याण संघ शाहाबाद के अध्यक्ष राम कुमार सिंह, डॉ. विकास सिंह, मंटु सिंह, संजय सिंह समेत विभिन्न संगठनों

किसान आंदोलन के अग्रदूत थे स्वामी सहजानंद सरस्वती : प्रो .बलिराज ठाकुरप्रात : किरण संवाददाता

आरा। किसान आंदोलन के प्रणेता एवं महान समाज सुधारक स्वामी सहजानंद सरस्वती की पुण्यतिथि पर एराबी कॉलेज परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी सहजानंद सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। समारोह की अध्यक्षता गणित विभागाध्यक्ष डॉ. एम.के. गिरी ने की, जबकि मुख्य अतिथि भोजपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष एवं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के सीनेटर प्रो. बलिराज ठाकुर उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो. बलिराज ठाकुर ने स्वामी सहजानंद सरस्वती की भारतीय किसान आंदोलन का अग्रदूत और जनक बताते हुए कहा कि उन्होंने किसानों के अधिकारों की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि 20वीं सदी के महान क्रांतिकारी नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती का जीवन त्याग, संघर्ष और सामाजिक न्याय का अनुपम उदाहरण है। नियति ने उन्हें संन्यास के मार्ग पर अग्रसर किया,



लेकिन उन्होंने संन्यासी जीवन को समाज और किसानों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। प्रो. ठाकुर ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती भारतीय समाज, संस्कृति और परंपरा के गहन अध्येता थे। उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ-साथ जमींदारी प्रथा और किसानों पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ भी सशक्त आंदोलन चलाया। उनके भाषणों में क्रांति की चिंगारी होती थी, जो शोषित और वंचित वर्गों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देती थी। उन्होंने कहा कि आज भी स्वामी सहजानंद के विचार किसानों और युवाओं के लिए समान रूप से प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम में अर्थशास्त्र

कुल्हड़िया स्टेशन के पास ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर कुल्हड़िया स्टेशन के पश्चिमी छोर पर डाउन लाइन के समीप शुक्रवार की सुबह चलती ट्रेन से गिरकर एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र के जलपुरा तापा गांव निवासी स्वर्गीय रामाशीष महतो के 41 वर्षीय पुत्र पिंटू महतो के रूप में हुई है। वह गुजरात के सूरत में एक निजी कंपनी में कार्यरत थे और परिवार के भरण-पोषण के लिए वहीं रहकर नौकरी करते थे। मृतक के रिश्ते में लगने वाले भांजे महेश कुमार ने बताया कि पिंटू महतो शुक्रवार की सुबह आरा रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर किसी जरूरी काम से पटना जा रहे



थे। इसी दौरान कुल्हड़िया स्टेशन के पश्चिमी छोर के पास अचानक चलती ट्रेन से गिर पड़े। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और

इसकी जानकारी रेलवे पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सहार मे मोहर्रम का निकाला गया भव्य ताजेया

दर्जनों जागहों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस प्रशासन को लगाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

सहार (आरा) सहार प्रखंड क्षेत्रों में मोहर्रम को लेकर जागह जगह ताजेया निकाला गया। वहीं ताजेया का अखाड़ा को रोक रोक कर सामूहिक मसीयां भी पढ़ा गया। वहीं मोहर्रम के अवसर सैकड़ों की संख्या में श्रधालुओं द्वारा मोहर्रम का आखाड़ा और जुलूस निकाला गया। इस जुलूस थाना क्षेत्र 8 गांव में पुलिस प्रशासन और ज्वाइट औडर में मजिस्ट्रेट की भी व्यवस्था किया गया था।

बिहार सरकार ने 211 नए राजकीय महाविद्यालयों में प्रतिनियुक्ति संबंधी आदेश किया रद्द

211 नवस्थापित राजकीय महाविद्यालयों में प्रतिनियुक्ति से संबंधित पूर्व में जारी आदेश को निरस्त कर दिया है। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. (डॉ.) एन. के. अग्रवाल द्वारा सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है।जारी पत्र के अनुसार, विभागीय पत्रांक-115/सा.को., दिनांक 23 जून 2026 के माध्यम से यूजीसी के मानकों के अनुरूप ठगछ, खरह्मएवं दँऊ अर्हता प्राप्त सरकारी शिक्षकों की विवरणी उपलब्ध कराने तथा प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि निर्देश दिया गया था। लेकिन अपरिहार्य कारणों से उक्त पत्र को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।उच्च शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि

सक्षम प्राधिकार से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही पूर्व में प्रतिनियुक्ति के लिए मांगी गई शिक्षकों की सूची और उससे संबंधित सभी प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी फिलहाल प्रभावहीन मानी जाएंगी।इस आदेश की प्रतिलिपि राज्यपाल-सह-कुलाधिपति के अपर मुख्य सचिव, संबंधित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा उच्च शिक्षा विभाग के अन्य संबंधित अधिकारियों को भी सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है। इस निर्णय के बाद 2११ नवस्थापित राजकीय महाविद्यालयों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लग गई है। अब शिक्षकों और संबंधित जिलों को विभाग के अगले निर्देश का इंतजार रहेगा।

नशा मुक्ति के लिए समाज और परिवार की भूमिका अहम : डॉ. अमन सिंहप्रात : किरण संवाददाता

आरा। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी रोकथाम दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अमन सिंह ने कहा कि नशे के दुष्प्रभाव और अवैध तस्करी की रोकथाम को लेकर जागरूक किया। डॉ. अमन सिंह ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रह ा है। इसका असर केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य पर ही नहीं पड़ता, बल्कि परिवार, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि नशे की आदत से

बचाव के लिए समय रहते पहचान, उचित इलाज और पुनर्वास का व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति अभियान में परिवार और समुदाय की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए स्कूल, कॉलेज और समाज स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों के साथ सकारात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर चिंता जताते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि इसे रोकने के लिए प्रशासन, संबंधित संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने सख्त कानूनी कार्रवाई और प्रभावी निगरानी की जरूरत पर भी जोर दिया।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर कुल्हड़िया स्टेशन के पश्चिम साइड डाउन लाइन पर शुक्रवार की सुबह ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के तापा जलपुरा गांव निवासी स्व. रामाशीष महतो का 41 वर्षीय पुत्र पिंटू महतो है। वह गुजरात के सूरत में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था। इधर, मृतक के रिश्तेदार महेश कुमार ने बताया कि वह शुक्रवार की सुबह आरा स्टेशन से ट्रेन द्वारा किसी काम से पटना जा रहे थे। इसी बीच वह कुल्हड़िया स्टेशन के समीप ट्रेन से गिर गए। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद उसके पास रहे मोबाइल के द्वारा रेल पुलिस ने फोन कर इस घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी। सूचना प्राप्त पर परिजन रेल थाना पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम सट्टर अस्पताल में करवाया।बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई व एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में पत्नी कोशिला देवी व दो पुत्री चांदनी, शिवानी एवं एक पुत्र शिवम है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया।



नहीं है। यह एक कुकर्म है, जिन लोगों ने भी उनकी हत्या की है, उनको सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि भरत के नाम पर स्मारक बनेगा। भरत भूषण सभी के दिलों में जिंदा है, उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। जितने भी नौजवान हैं। वह उनकी आवाज बना रहे हैं और आगे भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे नेता जल्द ही पीडित परिवार से मिलेंगे मां और बहन बोली-जांच प्रभावित कर रहे हैं पुलिस अधिकारी पूर्व एमएलसी हुलास पांडेय से दिवंगत भरत भूषण

कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंचायती राज विभाग के सचिव एवं अपर सचिव ने स्थल का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री के संभावित मुंगेर जिला आगमन एवं टेटिया बम्बर प्रखंड में होने वाले कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली हैं : डीएम

प्रातः किरण संवाददाता
मुंगेर । मुख्यमंत्री बिहार के संभावित मुंगेर जिला आगमन एवं टेटिया बंबर प्रखंड अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार के सचिव मनोज कुमार एवं अपर सचिव डॉ. आदित्य प्रकाश ने जिलाधिकारी निखिल धनराज निष्पाणीकर के साथ टेटिया बंबर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद, अपर समाहता (आपदा) संजय कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी कमल किशोर



सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से तैयारियों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा

के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया। पंचायती राज विभाग के सचिव एवं अपर सचिव ने भी कार्यक्रम स्थल पर ही सभी संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में कार्यक्रम के प्रत्येक पहलू पर विस्तार से चर्चा करते हुए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर दायित्वों के प्रभावी निर्वहन पर विशेष बल

दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। इसके अलावे भूना पंचायत के नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन सहित वहां होने वाले कार्यक्रम स्थल सहित देवघरा पहाड़ आदि स्थलों का भी निरीक्षण किया तथा कई आवश्यक

निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से जुड़े सभी कार्यों की लगातार निगरानी की जाए तथा शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन मुख्यमंत्री के संभावित आगमन एवं कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा सभी विभागों द्वारा निर्धारित दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए विधि-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

भागलपुर के पुलिस कप्तान ने अमडंडा थाना से संबंधित वायरल विडियो की जांच का दिया आदेश

प्रातः किरण संवाददाता
भागलपुर। भागलपुर अमडण्डा थाना से एक युवक का ब्राउन शूगर पीते हुए विडिओ वायरल होने पर शहर के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया है। इसमें अंकित है कि सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर एक विडियो संज्ञान में आया है जिसमें एक सदिध युवक अमडंडा थाना परिसर में मांसच जलाकर किसी सदिध पदार्थ का सेवन करते हुये प्रतीत हो रहा है। उक्त विडियो के संबंध में यह भी आरोप लगाया गया है कि अमडंडा थाना पुलिस द्वारा संबंधित युवक को हिरासत में लेने के उपरांत कथित रूप से अवैध रूप से धनराशि लेकर छोड़ दिया गया। उक्त विडियो एवं उससे संबंधित आरोपों को वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर द्वारा अत्यंत गंभीरता से संज्ञान में लिया गया है। तथा इस संबंध में अनुमंडल

पुलिस पदाधिकारी कहलगांव-1 को पत्र निर्गत कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, वृश्तित एवं तथ्यपरक जांच करते हुए यथाशीघ्र प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत यदि आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए जाते हैं तो मामले में सल्लिप्त दोषी पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों के विरुद्ध विधिसम्मत एवं विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार अथवा मादक पदार्थों से संबंधित मामले में लापरवाही को भागलपुर पुलिस द्वारा किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भागलपुर पुलिस निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विधिसम्मत कारवाई के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा आम नागरिकों से अपील करती है कि वे जांच पूर्ण होने तक किसी भी अपुष्ट अथवा भ्रामक सूचना के प्रसार से बचें एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

शेरघाटी में कड़ी सुरक्षा के बीच निकला मुहर्रम जुलूस, प्रशासन रहा मुस्तैद

■ **शेरघाटी। मुहर्रम पर्व को लेकर शहर में निकाले गए पहले दिन की**

प्रातः किरण संवाददाता



शेरघाटी अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप कुमार, बीडीओ

स्नेहिल आनंद सहित कई थाना के पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए

हुए थे। प्रशासन की ओर से जुलूस के निर्धारित मार्गों पर सुरक्षा और निगरानी के विशेष इंतजाम किए गए थे। मुहर्रम कमिटी के सदस्यों शकील अहमद उर्फ तन्नु, समाजसेवी आबिद इमाम, वसीम अकरम, दीनानाथ, अजीत सिंह, सोनू सिंह सहित कई गणमान्य लोग जुलूस के दौरान मौजूद रहे और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया।

वहीं नगर परिषद शेरघाटी की ओर से भी साफ-सफाई की बेहततर व्यवस्था की गई थी। प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

पंचायतनामा श्रृंखला: रमनकाबाद पश्चिमी पंचायत के छोटकी फुलवरिया गांव के जमीनी हकीकत पर विशेष

बारिश में दलदल बन जाती है छोटकी फुलवरिया की सड़कें , बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं ग्रामीण

नंदन कुमार
हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। अनुमंडल क्षेत्र की रमनकाबाद पश्चिमी पंचायत का छोटकी फुलवरिया गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से पूरी तरह नहीं जुड़ सका है। लगभग दो हजार की आबादी वाले इस महादलित एवं आदिवासी बहुल गांव के लोग वर्षों से सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन बिताने को मजबूर हैं। बरसात शुरू होते ही गांव तक पहुंचने वाली कच्ची सड़क कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाती है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन बेहद कठिन हो जाता है। सड़क नहीं, इसलिए हर बारिश में बढ़ जाती है मुश्किलें



प्रभावित हो जाता है।

बीमार पड़ने पर खात के सहारे अस्पताल तक पहुंचते हैं मरीज

ग्रामीणों के अनुसार सबसे अधिक परेशानी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर होती है। एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती। गंभीर रूप से बीमार मरीजों और गंभीरता से बीमार मरीजों को पीने का पानी लाने के लिए काफी दूर जाना पड़ता है। वहीं शौचालयों की कमी

समय पर इलाज नहीं मिलने से स्थिति गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क की सुविधा होती तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

पेयजल और स्वच्छता की भी गंभीर समस्या

गांव में शुद्ध पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। महिलाओं को पीने का पानी लाने के लिए काफी दूर जाना पड़ता है। वहीं शौचालयों की कमी



के कारण आज भी कई परिवार खुले में शौच जाने को विवश हैं, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

शिक्षा और पोषण सेवाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में शिक्षा और पोषण संबंधी सुविधाएं भी अपेक्षित स्तर पर नहीं हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ कागजों में तो

दिखाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका पूरा असर दिखाई नहीं देता।

सामुदायिक भवन पर भी उठे सवाल

ग्रामीणों ने तीन वर्ष पूर्व बिहार महादलित विकास मिशन के तहत बने सामुदायिक भवन के निर्माण पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि भवन में पानी, बिजली और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। स्वच्छता एवं अन्य विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जाए।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने लौटाया 70 हजार रुपये मूल्य का बैग, अधिवक्ता ने की सराहना

प्रातः किरण संवाददाता
सीवान/मैरवा । रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट सिवान द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन अमानत के तहत मैरवा रेलवे स्टेशन पर छूटा एक बैग उसके वास्तविक मालिक को सुरक्षित लौटा दिया गया। बैग में सैमसंग कंपनी का एक टैबलेट, 42,200 रुपये नकद तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज थे, जिनकी कुल कीमत सहित अन्य दस्तावेज बताई गई। जानकारी के अनुसार, 25 जून को मैरवा रेलवे स्टेशन पर रेल संपत्ति सुरक्षा एवं ट्रेन पॉसिंग ड्यूटी में तैनात आरपीएफ कांस्टेबल शिवप्रसाद तिवारी को सुबह करीब 10:55 बजे एक व्यक्ति ने आरक्षण काउंटर पर छूटा हुआ बैग सौंपा। इसके बाद स्टेशन मास्टर मनोज कुमार कुशवाहा की मौजूदगी में बैग की जांच की गई। बैग में सैमसंग कंपनी का एक टैबलेट, 42,200 रुपये नकद, बिहार स्टेट बार काउंसिल द्वारा जारी पहचान पत्र सहित अन्य दस्तावेज मिले। करीब आधे घंटे बाद एक व्यक्ति बैग की तलाश में स्टेशन पहुंचा। उसने बताया कि वह ट्रेन संख्या 14005 के तत्काल टिकट के लिए आरक्षण काउंटर पर लाइन में लगा था। टिकट बनवाने के दौरान बैग काउंटर के पास



रखकर भूलवश वहीं छोड़ दिया और घर जाते समय बैग छूटने का एहसास होने पर वापस स्टेशन पहुंचा। पुलिस के दौरान उसने अपना नाम 'शशि भूषण सिंह', पिता वीरेंद्र सिंह, निवासी एकडंगा, पोस्ट भगवानपुर, थाना मीरगंज, जिला गोपालगंज बताया। बैग में रखे सामान की सही जानकारी देने तथा पहचान पत्र से सत्यापन के बाद स्टेशन मास्टर की उपस्थिति में फर्द सुपुर्दगीनामा के माध्यम से बैग, टैबलेट और 42,200 रुपये नकद उसे सुरक्षित सौंप दिए गए। बैग स्वामी शशि भूषण सिंह ने बताया कि बैग में रखे सामान की कुल कीमत करीब 70 हजार रुपये है। उन्होंने ईमानदारी और तत्परता के लिए रेलवे सुरक्षा बल के कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

■ **जल-जमाव और जन-समस्याओं के त्वरित निपटारे हेतु रेलवे एवं पुल निर्माण निगम को सख्त निर्देश जारी**

प्रातः किरण संवाददाता

भागलपुर। शहर को जल-जमाव की समस्या से मुक्ति दिलाने और निमाणाधीन परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में महापौर महोदया, उप-महापौर, नगर आयुक्त, विभिन्न वार्ड पार्षदों एवं नगर निगम के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया। टीएम द्वारा भागलपुर रेलवे स्टेशन परिसर स्थित निमाणाधीन रज्ज्व, भोलानाथ पुल और बाँसी पुल के पास चल रहे फ्लड (रेलवे ओवर ब्रिज) कार्य की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाई गई गंभीर कमियों और जल-जमाव की समस्या को देखते हुए नगर आयुक्त द्वारा संबंधित विभागों के 24 घंटे के भीतर सुधारमात्रक कदम उठाने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

रेलवे विभाग को दिए गए मुख्य



निर्देश:

रज्ज्व का तत्काल संचालन और डायवर्जन: वर्तमान में रेलवे यार्ड का रज्ज्व कार्यशील न होने के कारण गांधी सीधे भोलानाथ पुल के पास नाले में गिर रहा है, जिससे वहाँ हमेशा जल-जमाव बना रहता है। रेलवे प्राधिकार को इस डिस्चार्ज को तुरंत रज्ज्व चेंबर में डायवर्ट करने के लिए निर्देश दिया गया है।

अवरद्ध ड्रेनेज की सफाई: भोलानाथ और बाँसी पुल के नीचे पूरी तरह से जाम हो चुके रेलवे ड्रेनेज सिस्टम को तत्काल साफ कर जल निकासी बहाल करने को कहा गया

है। पक्का नाला और सुरक्षा दीवार का निर्माण: मानसून के ठीक बाद रेलवे क्षेत्र के कच्चे नाले को पक्की संरचना में बदलने के लिए तत्काल प्राक्कलन (प्रपोज़) तैयार करने और पानी का ओवरफ्लो रोकने के लिए आवश्यक स्थानों पर लापरवाह एक मीटर ऊंची सुरक्षा दीवार बनाने का निर्देश दिया गया है।

पुल निर्माण निगम के लिए दिशा-निर्देश:

अस्थायी ड्रेनेज व्यवस्था: जहाँ भी भूमि अधिग्रहण का मामला लंबित है, वहाँ जल निकासी प्रभावित न हो इसके लिए तत्काल अस्थायी कच्ची नाली का निर्माण किया जाए।

खड़गपुर में मोहर्रम की दसवीं पर निकला भव्य जुलूस अखाड़ों के करतब बने आकर्षण का केंद्र

प्रातः किरण संवाददाता
हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मोहर्रम की दसवीं के अवसर पर शुक्रवार को हवेली खड़गपुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ताजिया एवं अखाड़ों का भव्य जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। धार्मिक आस्था, भाईचारे और अनुशासन का अद्भुत नजारा देखने को मिला। विभिन्न मुस्लिम मोहल्लों से निकले अखाड़े निर्धारित मार्गों से होते हुए अंबेडकर चौक पहुंचे, जहां पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद सभी अखाड़े अपने-अपने मार्ग से वापस लौट गए। जुलूस के दौरान या हुसैन, या हसन और ललाहु अकबर के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। अखाड़ों के युवाओं ने लाठी, तलवार तथा अन्य पारंपरिक हथियारों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों का मन मोह लिया। छोटे बच्चों ने भी अपने आकर्षक प्रदर्शन से उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी। रौशन नगर, मंसूर टोला, शेख टोला, हयात नगर, मंसूर



नगर, छोटी मस्जिद विषहरी स्थान, मोमिन टोला, खाजेचक, बोखरा, तिलवरिया और दरियापुर समेत कई मोहल्लों के अखाड़ों ने जुलूस में भाग लिया। मुख्य पार्षद प्रभु शंकर ने भी लाठी के पारंपरिक करतब का प्रदर्शन कर लोगों का उत्साह बढ़ाया। मोहर्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अंचल पुलिस निरीक्षक अरविंद कुमार एवं थाना अध्यक्ष राजेश कुमार स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। मुख्य पार्षद प्रभु शंकर, बड़ी दुर्गा स्थान प्रबंध समिति के अध्यक्ष राकेश चंद्र सिन्हा,

हीरा अंसारी, लाडो खान, वार्ड सदस्य मोहम्मद तस्लीमुद्दीन, वार्ड प्रतिनिधि मोहम्मद नौशाद सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। वहीं, सुरक्षा के मद्देनजर विद्युत विभाग ने सुबह 7 बजे से 11:30 बजे तक तथा रात्रि में भी कुछ घंटों के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रखी। लंबे समय तक बिजली नहीं रहने से उमस भरी गमी में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई नागरिकों ने भूमिगत केबल व्यवस्था होने के बावजूद बिजली आपूर्ति बंद किए जाने पर नाराजगी जताई और भविष्य में वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की।

लोदीपुर थाना क्षेत्र में अवैध नशे के खिलाफ संगठन का प्रदर्शन,डीएम-एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

भागलपुर। भागलपुर लोदीपुर थाना क्षेत्र में खुलेआम अवैध मादक पदार्थों के सेवन और बिक्री के खिलाफ मंगलवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई जागरूकता संगठन भारत की भागलपुर टीम ने आवाज बुलंद की। संगठन के पदाधिकारियों ने जिला अधिकारी अलंकृता पांडे और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव को ज्ञापन सौंपकर मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की। संगठन का आरोप है कि लोदीपुर इलाके में लंबे समय से अवैध नशे का कारोबार घड़ल्ले से चल रहा है, जिससे स्थानीय युवाओं पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से अमानाजिक तत्वों के हाँसेले बुलंद हैं। मौके पर संगठन के मीडिया प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव विभूति सिंह, खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव सुबोध कुमार भारती, मीडिया प्रकोष्ठ के जिला वरिष्ठ सचिव बंटी कुमार, आरटीआई प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संजीव कुमार समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे। संगठन ने प्रशासन से जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई कर अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

मानवता की मिसाल :महिला ने रक्तदान कर एक प्रसूता की बचाई जान



मुंगेर। दो दिनों से रक्त की कमी से जूझ रही एक प्रसूता महिला के लिए राहत की किरण बनी एक संवेदनशील महिला, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से रक्तदान कर मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रसूता को तत्काल अ पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता थी। इसकी जानकारी मिलने पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता लगातार रक्त की व्यवस्था के लिए प्रयासरत थे। इसी दौरान ब्लॉक कॉलोनी निवासी एक महिला अलका कुमारी पति राज गौरव कुमार को इस आवश्यकता की जानकारी मिली। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के रक्तदान के लिए सहमति दी और अपना एक यूनिट अ पॉजिटिव रक्त दान कर प्रसूता महिला की सहायता की। उनके इस नेक कार्य से न केवल एक जरूरतमंद को समय पर रक्त उपलब्ध हो सका, बल्कि समाज के सामने सेवा और संवेदनशीलता का प्रेरणादायी उदाहरण भी प्रस्तुत हुआ। एबीवीपी परिवार इस महान कार्य के लिए उस महिला रक्तदाता के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया और उनके इस योगदान का सर्वे प्रेरणास्रोत रहेगा।

बीफर्सीआरआई मुंगेर ने खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को दी मृदा स्वास्थ्य की जानकारी



मुंगेर। बिहार वानिकी महाविद्यालय एवं शोध संस्थान बीफर्सीआरआई मुंगेर ने अधिष्ठाता डॉ. अनिल पासवान के आदेश पर गोद लिए गांव में खेत बचाओ अभियान के तहत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। अध्यक्षता धनंजय कुमार व सदस्य सचिव डॉ. साई पराशर दास ने की। उमा कांत सिंह, अर्पणा पांडेय, कृतिका सुमन, अजीत कुमार मंडल व प्रियंका ने किसानों को मृदा परीक्षण, उर्वरता बनाए रखने, जैविक खाद व मृदा संरक्षण की आधुनिक तकनीकें समझाईं। विशेषज्ञों ने मिट्टी जांच रिपोर्ट के आधार पर ही संतुलित उर्वरक इस्तेमाल व टिकाऊ कृषि अपनाने की सलाह दी। कहा, स्वस्थ मिट्टी ही बेहतर उत्पादन व फसल गुणवत्ता का आधार है। किसानों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए निर्मित आयोजन की मांग की। महाविद्यालय ने वैज्ञानिक तकनीक अपनाने व मृदा संरक्षण का आह्वान किया।

बिहार फुले अंबेडकर युवा मंच ने श्यामपुर में पीड़ित परिवार को दी सातवना, रुपए 5000 की आर्थिक मदद

■ **क्रांति पासवान की 4 बेटियों समेत 5 बच्चियों की मौत पर जताया शोक, प्रशासन से सरकारी मदद की मांग**



मुंगेर। श्यामपुर बकचपरा में गंगा में डूबने से 5 बच्चियों की मौत के बाद बिहार फुले अंबेडकर युवा मंच के पदाधिकारियों ने क्रांति पासवान के परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की। एक साथ 4 बेटियों को खोने वाले परिवार से मिलना हृदयविदारक रहा। जिलाध्यक्ष अश्वय कुमार दास, प्रदेश अध्यक्ष मणि कुमार बौद्ध, कोषाध्यक्ष अवधेश पासवान, उपाध्यक्ष वाल्मीकि पासवान, गौतम कुमार आजाद, रामजी रविदास व राजकिशोर पासवान ने मंच की ओर से रुपए 5000 की आर्थिक सहायता दी। पदाधिकारियों ने कहा कि यह राशि दुःख की भरपाई नहीं, पर सामाजिक एकजुटता का प्रयास है। मंच ने प्रशासन से आपदा प्रबंधन के तहत पीड़ित परिवार को शीघ्र सरकारी सहायता देने का आग्रह किया। सभी ने दिवंगत बच्चियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

गरीबी और इलाज के अभाव में महिला की मौत, बच्चों के सिर से उठा माँ का साया

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के योगापुर गांव में गुरुवार को एक महिला की मौत कथित रूप से समय पर बेहतर इलाज नहीं मिलने के कारण हो गई। मृतका की पहचान फुलो देवी (24), पति विक्रम कुमार के रूप में हुई है। महिला की मौत के बाद गांव में मातम का माहौल है।स्वजनों के अनुसार फुलो देवी का पति विक्रम कुमार पिछले छह माह से एक दुर्घटना के मामले में जेल में बंद है। विक्रम ट्रैक्टर चालक का काम करता था। कारीब छह माह पहले उसके ट्रैक्टर से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई थी, जिसके आरोप में वह जेल चला गया। पति के जेल जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई थी।परिजनों का कहना है कि घर में खाने-पीने की समस्या के साथ-साथ इलाज कराने के लिए पर्याप्त पैसे भी उपलब्ध नहीं थे। आर्थिक तंगी के कारण महिला का समुचित इलाज नहीं हो सका और आखिरकार उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत के बाद ग्रामीणों के सहयोग से उसका अंतिम संस्कार किया गया। बताया गया कि महिला के नाबालिग पुत्र ने अपनी मां को मुखाग्नि दी। मां की मौत के बाद छोटे-छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इसुआपुर में शानो-शौकत के साथ मनाया गया मोहर्रम का त्यौहार

प्रातः किरण संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड में शुक्रवार को मोहर्रम का त्ौहार शानो-शौकत के साथ मनाया गया। सुबह से ही ताजिया जुलूस के साथ गंवारा घूमते श्रद्धालु दोपहर बाद प्रखंड मुख्यालय बाजार इसुआपुर पहुंचे। जहां इसुआपुर मोहर्रम कमेटी द्वारा कुल 25 लाससंस प्राप्त अखाड़ों को चिन्हित स्थान आवंटित किया गया। प्रत्येक अखाड़े में गदका, ढाल तलवार जैसे पारंपरिक हथियारों से लोगों ने अपने रण कौशल का प्रदर्शन किया। वहीं किलाखोरों ने अपने विभिन्न कला दिखाए। इसुआपुर मोहर्रम कमेटी द्वारा अखाड़े के लाइसेंसधारियों, जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य लोगों को पगड़ी देकर सम्मानित किया गया। सुश्रुत आँखों



हॉस्पिटल छपरा तथा प्रिया इमरजेंसी

आर्केस्ट्रा से नाबालिक लड़कियों को कराया गया मुक्त

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा। सदर। वरीय पुलिस अधीक्षक सारण के निर्देश पर एवं विभिन्न थानों के ताला द्वारा एवं सुबह छापामारी कर 07 नाबालिग व पीड़ित लड़कियों को मुक्त कराया गया एवं 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। बताते चले कि जिले में मई-2023 से अबतक के विशेष अभियान में कुल-404 लड़कियों को मुक्त कराकर 137 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।25. जून को अपर पुलिस महानिदेशक, कमजोर वर्ग एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देश के आलोक में वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण के निदेशानुसार ए०एच०टी०यू० एवं महिला थाना, सारण के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम में प्रभारी ए०एच०टी०यू० पु०नि० विशाल

जलाशयों में पर्याप्त पानी, फिर भी सूखी हैं नहरें , किसानों के साथ सरकार का घोर अन्याय : सांसद सुधाकर सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

बक्सर। लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य में सिंचाई विभाग की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि बिहार के प्रमुख जलाशयों में पर्याप्त जल उपलब्ध होने के बावजूद किसानों को नहरों के माध्यम से सिंचाई का पानी नहीं मिल रहा है, जिससे धान की रोपनी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि वर्तमान में रिहंद बांध में लगभग 40 प्रतिशत, बाढ़सागर बांध में लगभग 60 प्रतिशत, दुर्गावंती जलाशय में लगभग 60 प्रतिशत तथा मुसाखंड बांध में लगभग 60 प्रतिशत जल उपलब्ध है, इसके बावजूद नहरों का संचालन नहीं किया जा रहा है। यह स्थिति सरकार की प्रशासनिक विफलता और किसानों के प्रति घोर उदासीनता को दर्शाती है।इन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 जून से नहरों के संचालन की मानक प्रक्रिया (रड्डे) निर्धारित है, लेकिन अजीकाश नहरें या तो बंद हैं अथवा उनमें पर्याप्त पानी नहीं छोड़ा गया है। इसका सीधा असर हजारों किसानों

जीविका दीदियों के हाथों से तैयार चायपत्ती बनी किशनगंज की पहचान इस वर्ष एक हजार टन चायपत्ति उत्पादन का लक्ष्य, चार दर्जन से अधिक लोगों को मिला प्रत्यक्ष रोजगार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार राज्य में समूहों से जुड़ी जीविका दीदियां अपनी हुनर और मेहनत लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। रसोई, सिलाई, पशुपालन, नर्सरी, लघु एवं कुटीर उद्योग के साथ अब उन्होंने दूसरे अन्य कई क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। नई बानगी के तौर पर किशनगंज के पोडिया प्रखंड में इन दीदियों के हाथों चायपत्ती फैक्ट्री के संचालन के रूप में देखा जा सकता है। इस फैक्ट्री में दीदियों ने अपनी दक्षता के बल पर न सिर्फ रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं बल्कि दूसरों की जीविका का भी एक सशक्त माध्यम खड़ा किया है।

किशनगंज के पोडिया ब्लॉक में समूह से जुड़ी दीदियां महानंदा एफपीसी (महिला एग्री प्रोड्यूसर को०पनी लिमिटेड) की ओर से संचालित टी प्रोसेसिंग एंड पैकेजिंग



इकाई के सहारे व्यापक स्तर पर चायपत्ती का उत्पादन कर रही हैं। इस काम से दीदियों को वार्षिक तौर पर लाखों की आमदनी भी हो रही है। वर्ष 2002 में स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (एसजीएसवाई) के तहत जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) किशनगंज को एक विशेष परियोजना स्वीकृत की गई थी। इसे देखते हुए 2010 में किशनगंज के पोडिया प्रखंड के

कुसियारी पंचायत स्थित कालीदास किस्मत में करीब 10 एकड़ भूमि पर 9.64 करोड़ रुपये की लागत से बिहार सरकार ने एक चाय कारखाना स्थापित किया। कारखाने की स्थापना का उद्देश्य चाय पत्ता की खेती और पत्ता तोड़ने वालों स्थानीय किसानों के संघ के माध्यम से कारखाने का संचालन करना था।

इसी बीच जीविका के माध्यम से महानंदा संघ बनाने का

निर्णय लिया गया। नतीजा, 14 जून 2021 को 10 प्रमोटर सदस्यों के सहारे महानंदा जीविका महिला एग्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का गठन किया गया। एफपीसी से जुड़ी सभी महिलाएं जीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य हैं। आज कुल 45 दीदियां किसानों के यहां से खरीदकर लाए गए चाय पत्ता से चायपत्ती का उत्पादन कर रही हैं। इस कार्य से जुड़े कर्मियों की तनख्वाह 10 हजार

रुपये से लेकर 40 हजार रुपये तक निर्धारित है।

जीविका समूह के अधिकारियों का कहना है कि जीविका दीदियों के हाथों पिछले सीजन में डेढ़ लाख किलो चायपत्ती तैयार किया गया था। इसमें से करीब एक लाख किलो से अधिक की चायपत्ती की बिक्री हो चुकी है। दीदियों के उत्साह, हुनर और बाजार में उनकी चायपत्ती की मांग को देखते हुए इस वर्ष दस लाख

राष्ट्रीय जनता दल के हवन पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन जलालपुर में संपन्न हुआ



प्रातः किरण संवाददाता

जलालपुर। प्रखंड में राष्ट्रीय जनता दल के आह्वान पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन प्रखंड कार्यालय परिसर जलालपुर में किया गया जिसमें वर्तमान सरकार के भ्रष्टाचार बेरोजगारी गैस सिलेंडर बढ़ती हुई कीमत सभी समस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया गया जलालपुर प्रखंड आरजेडी अध्यक्ष श्री राम राय ने किया जिसमें आरजेडी प्रवक्ता अक्की यादव भी अपनी बातें रखी राजद के कार्यकर्ता और लोगों ने भी भाग लिया जिनमें अक्की यादव कुलदेव राय

संत राधेश्याम राय अंबिका महतो देवीलाल राय मनोज कुशवाहा विनोद सिंह सरमद पासवान धनेश्वर ठाकुर रामनाथ राम नारायण राय सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे 10 मुद्दे रखे गए थे पहला मुद्दा महंगाई दूसरा बेरोजगारी तीसरा बढ़ाहल शिक्षा नोट पेपर लोक का विरोध गैस की भर्ती कीमत राशन कार्ड में गरीबों का नाम वंचित सरकार की जिन जन विरोधी कल्याण और अफसर शाही किसानों के खेत की उपलब्धता नहर चालू करने के बाद सभी मांगे इसमें रखी गई थी जलालपुर ब्लॉक अंचल कैंपस कार्यालय में यह धरना प्रदर्शन किया गया

मुहर्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, बिशनपुर में ताजिया जुलूस के दौरान युवक की मौत से पसरा मातम



प्रातः किरण संवाददाता

जलालपुर (सारण) : जलालपुर प्रखंड में मुहर्रम का पर्व शनिवार को आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रशासन की सुस्त-दुरुस्त व्यवस्था के बीच प्रखंड के विभिन्न मुस्लिम बहुल गांवों से ताजिया जुलूस निकाले गए और पारंपरिक अखाड़ों ने अपने हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

हालांकि, बिशनपुर गांव से ताजिया जुलूस कबला की ओर जा रहा था, तभी गतका प्रदर्शन के दौरान हाजी मियां के पुत्र इस्लाम मियां अचानक मूर्छित होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल उपचार के लिए डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।घटना के कारण जलालपुर और बिशनपुर गांव से ताजिया जुलूस नहीं निकाला गया। वहीं प्रखंड के अन्य क्षेत्रों में ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण और पारंपरिक ढंग से संपन्न हुए।श्रद्धालुओं ने हूया हुसैन, या हुसैनह के नारों के साथ कबला के शहीद इमाम हुसैन को

श्रद्धांजलि अर्पित की। माधवपुर बारह गांवों के अखाड़ों का विशाल समागम हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। विभिन्न अखाड़ा समितियों के खिलाड़ियों ने लाठी, तलवार और अन्य पारंपरिक युद्ध कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान प्रखंड प्रशासन, अंचल प्रशासन एवं पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा, जिससे मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। वहीं बिशनपुर में हुई इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।